संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 82 बुधवार 22 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जैसे बाबरी मस्जिद का विध्वंस हुआ वैसे ही औरंगजेब की कब्र का होगा

» किसने दे दी फडणवीस सरकार को चेतावनी

नागपुर,21 जनवरी 2025 (ए)। अयोध्या छावनी के पीठाधीश्वर जगदुरु परमहंस महाराज ने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, सरकार औरंगजेब की की कब्र को हटाए, नहीं तो जिस तरह से बाबरी मस्जिद का विध्वंस हुआ, उसी तरह औरंगजेब की कब्र का भी होगा. बातचीत के दौरान उन्होंने महाराष्ट्र स्थित औरंगजेब की कब्र को कलंक बताया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की गई है। अगर महाराष्ट्र की मौजूदा सरकार कब्र हटाने के लिए आश्वासन देती है, तो ठीक है. नहीं तो हम कब्र हटाने के लिए कूच करेंगे। लगभग दो करोड़ संत ये काम स्वयं करेंगे।

महाराष्ट्र के लिए सबसे बड़ा कलंक औरंगजेब की कब्र है...

उन्होंने कहा कि कई बार मुंबई,महाराष्ट्र का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने भाजपा, शिवसेना से आग्रह किया है कि महाराष्ट्र के लिए सबसे बड़ा कलंक औरंगजेब की कब्र है जिसे हटाने के लिए हमने सरकारों से पहले भी आग्रह किया है और एक बार फिर कह रहा हूं कि औरंगजेब की कब्र को जल्द से जल्द हटाया जाए।

लगभग दो करोड़ साधु संत महाराष्ट्र के लिए रवाना होंगे

उन्होंने कहा कि प्रयागराज में करोड़ों की संख्या में साधु संत आए हैं। जैसे ही कुंभ संपन्न होगा, वहां के बाद संत समाज महाराष्ट्र के लिए कूच करेगा(जिसके लिए हमने सभी हिंदूवादी संगठनों से बातचीत करने योजना बना ली हैं। अगर महाराष्ट्र सरकार मुद्दे को गंभीरता से लेकर कोई समय सीमा निर्धारित नहीं करती है, तो कुंभ के बाद लगभग दो करोड़ साधु संत महाराष्ट्र के लिए रवाना होंगे। जिस तरह से अयोध्या में बाबरी मस्जिद को विध्वंस किया गया, ठीक इसी प्रकार महाराष्ट्र से औरंगजेब की कब्र को हटा देंगे।

दिल्ली में अब होगा मेगा शो

» चुनाव की तारीख करीब आते ही भाजपा ने बनाया मिशन टॉप-5

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025 (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने विधानसभा चुनाव की जंग जीतने के लिए अपना मास्टर प्लान का खुलासा कर दिया है। बीजेपी के ट्रंप कार्ड की बात करें तो हर बार की तरह इस बार भी पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे को आगे रखकर दिल्ली की हर गली में कमल खिलाने की तैयारी कर चुकी है। बीजेपी ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए ऐसा चक्रव्यूह रचा है कि जिसे भेदना इस बार आसान नहीं होगा।

जैसे जैसे चुनावी तारीख नजदीक आ रही है, सोशल मीडिया पर जारी पोस्टर वार और वीडियो वार के इतर जमीन पर भी बीजेपी आक्रामक प्रचार कर रही है। अपने प्रचार अभियान के आखिरी 14 दिनों में उसे धार देने के लिए बीजेपी ने दिल्ली में विशाल रैलियां कराने का खाका खींच लिया है। इसके तहत पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, मनोहर लाल खट्टर और नितिन गडकरी सहित तमाम पार्टी नेता दिल्ली में बीजेपी उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेगे। इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और नेता भी अभियान में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्रियों-उपमुख्यमंत्रियों से जातियों को साधेगी बीजेपी?

बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, असम के सीएम और फायरब्रांड हिंदू नेता हिमंत बिस्वा सरमा और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दिल्ली में प्रचार के लिए उतारा जा रहा है। जनवरी के आखिरी हफ्ते में मोदी की 3-4 रैलियां हो सकती हैं। बीजेपी पूर्वांचल के मतदाताओं को लुभाने के लिए 23 जनवरी से रैलियों की एक सीरीज चलाने जा रही है, जिसमें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य चेहरा होंगे। आदित्यनाथ दिल्ली भर में विभिन्न स्थानों पर कुल 14 रैलियों को संबोधित करेंगे। योगी आदित्यनाथ की रैलियां किराड़ी, बाहरी दिल्ली, केशव पुरम, उत्तर पश्चिम दिल्ली, शाहदरा, करोल बाग, नजफगढ़, महरौली, सहादरा, दक्षिणी दिल्ली और मयूर विहार में होंगी।

दिल्ली के मतदाताओं के लिए प्लान

दिल्ली में पूर्वांचल और उत्तराखंडी मतदाताओं को बड़े पैमाने पर बीजेपी के लिए वोट कराने की अपील करने के लिए कई प्रमुख पूर्वांचली और उत्तराखंडी चेहरों को काम पर लगा दिया गया है। पूर्वांचल समाज को साधने के लिए रवि किशन, मनोज तिवारी, निरहुआ, सम्राट चौधरी और गिरिराज सिंह अगले गुरुवार यानी 23 जनवरी से दिल्ली में ताबड़तोड़ रैलियां करेंगे। इसके अतिरिक्त, बीजेपी महत्वपूर्ण पूर्वांचली मतदाताओं वाले इलाकों में कई बाइक रैलियां आयोजित करेगी।

महत्वपूर्ण खबर

भाजपा वाले गरीब तबके को राक्षस की तरह निगल जाएंगे : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025(ए)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के रावण के सोने के हिरण बनने को लेकर बयानबाजी जारी है। भाजपा

अरविंद केजरीवाल को बयान के लिए घेर रही है। दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन भी किया गया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ये लोग रावण की इतनी पैरवी क्यों कर रहे हैं। ये राक्षसी प्रवृत्ति के हैं और अगर दिल्ली की जनता ने इन्हें चुना, तो ये गरीब तबके के लोगों को राक्षस की तरह निगल जाएंगे।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए सैफ अली खान

मुंबई ,21 जनवरी 2025(ए)। घर पर हुए हमले में घायल अभिनेता सैफ अली खान को छह दिनों बाद मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी

मिल गई। अभिनेता मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थे, जहां उनकी सर्जरी हुई थी। सैफ को घर लाने के लिए उनकी पत्नी-अभिनेत्री करीना कपूर खान लीलावती अस्पताल पहुंची थीं। अभिनेता को डॉक्टरों ने सुझाव दिया है कि उन्हें पूरी तरह से ठीक होने के लिए कुछ और दिन आराम करने की जरूरत है।

अभिनेता सैफ अली खान पर एक और मुसीबत

पटौदी खानदान की जब्त हो सकती है 15 हजार करोड़ की संपत्ति

भोपाल,21 जनवरी 2025(ए)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और उनका परिवार इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहा है,एक ओर तो सैफ पर हुए अटैक के बाद पूरा परिवार सदमे में हैं, वहीं दूसरी ओर पटौदी परिवार की करोड़ों की संपत्ति पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। उनकी 15 हजार करोड़ की संपत्ति केंद्र सरकार के कब्जे में आ सकती है।

दुष्कर्म और हत्या मामले में पश्चिम बंगाल सरकार पहुंची हाईकोर्ट

दोषी के लिए मृत्युदंड की मांग

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025(ए)। पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के दुष्कर्म और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को सियालदह कोर्ट द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया है। महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने इस मामले में न्यायमूर्ति देबांगशु बसाक की खंडपीठ में अपील दायर की, जिसमें दोषी के लिए मृत्युदंड की मांग की गई। अदालत ने इस याचिका को स्वीकार कर लिया है।

ट्रंप और मोदी की दोस्ती पड़ गई फीकीं

» भारत समेत इन 11 देशों को अमेरिका ने दी ये चुनौती,

» कहा- ज्यादा खुश मत होना, ऐसा अंजाम होगा

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025(ए)। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार, 20 जनवरी को अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही देश से लेकर विदेश तक अमेरिकी नीतियों में कई बड़े बदलाव लाने की की बात कही है। शपथ लेने के बाद उन्होंने ओवल ऑफिस पहुंचकर कई कार्यकारी आदेशों पर साइन किया। इसी बीच अब खबर आई है कि ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को चुनौती दी है। ब्रिक्स देशों में भारत भी शामिल है। ऐसे में ट्रंप की ये चुनौती और अहम हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अगर ब्रिक्स अमेरिका विरोधी नीतियां लाता है तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे और वे खुश नहीं रह पाएंगे। ट्रंप ने कहा कि इन देशों ने अमेरिका के हितों के विपरित कई चीजें करने की कोशिश की, अगर ये देश आगे भी ऐसा करते रहते हैं तो फिर उनके साथ जो होगा उसके बाद वे देश खुश नहीं रह पाएंगे। बता दे कि यह पहला मौका नहीं है, जह ट्रंप ने इस तरह की बातें कही है।

शामली में एसटीएफ एनकाउंटर,चार बदमाश ढेर,इंस्पेक्टर घायल

शामली,21 जनवरी 2025(ए)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में सोमवार रात को हुए एक एनकाउंटर में एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) ने चार बदमाशों को ढेर कर दिया। यह एनकाउंटर शामली के झिंझाना क्षेत्र में हुआ, जहां एसटीएफ की मेरठ टीम ने मुस्तफा कग्गा गैंग के बदमाशों की घेराबंदी की थी। एनकाउंटर के दौरान जब एसटीएफ ने बदमाशों से सरेंडर करने को कहा, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में चार बदमाश मारे गए, जिनमें से एक लाख रुपए का इनामी बदमाश अरशद भी शामिल था।इस मुठभेड़ में एसटीएफ के इंस्पेक्टर सुनील कुमार भी घायल हो गए। उन्हें कई गोलियां लगी और उन्हें गंभीर हालत में मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

महाकुंभ के भण्डारा में शामिल हुए गौतम अडानी

इंफोसिस की मालकिन सुधा मूर्ति भी पहुंचीं

प्रयागराज,21 जनवरी 2025(ए)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला, जो 13 जनवरी से शुरू हुआ, में श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ जमा हो रही है। संगम तट पर लाखों लोग स्नान कर आस्था की गहरी अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं। इस विशेष अवसर पर गौतम अडानी, अडानी ग्रुप के चेयरमैन, भी महाकुंभ में पहुंचे हैं। इससे पहले, सुधा मूर्ति, जो राज्यसभा सांसद और नारायण मूर्ति की पत्नी हैं, मेला में पहुंच चुकी है और वहां परेड मैदान के महाराजा टेंट में ठहरी है।

गौतम अडानी ने भंडारा सेवा में बनाया महाप्रसाद,लोगों को खिलाया भी

संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के भव्य आयोजन में अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी मंगलवार को पहुंचे। महाकुंभ नगर के सेक्टर नंबर 18 स्थित इस्कॉन वीआईपी शिविर पहुंचने पर गौतम अदाणी का स्वागत किया गया। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद रही। स्वागत के बाद गौतम अदाणी सेक्टर 19 इस्कॉन पहुंचे, जहां उन्हें महाप्रसाद बनाते हुए देखा गया। महाकुंभ में इस्कॉन और अदाणी ग्रुप मिलकर रोजाना लाखों लोगों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को मशहूर उद्योगपति गौतम अदाणी खुद प्रयागराज के इस्कॉन पंडाल में भंडारा सेवा में हिस्सा लिए।

महाकुंभ विशेष

400 कर्मचारियों के बॉस,40 लाख सैलरी छोड़ महाकुंभ में

धूनी रमाए एमटेक बाबा

प्रयागराज,21 जनवरी 2025(ए)। महाकुंभ में आए दिगंबर कृष्ण गिरि, जिन्हें एमटेक बाबा के नाम से जाना जाता है, एक समय निजी कंपनी में काम करते थे और 40 लाख रुपये की सालाना सैलरी प्राप्त करते थे। बेंगलुरु के रहने वाले इस बाबा ने 2010 में संन्यास लिया और 2019 में नागा संत बने। वह एक समय 400 कर्मचारियों के बॉस थे और कर्नाटक विश्वविद्यालय से एमटेक की डिग्री प्राप्त करने के बाद कई कंपनियों में काम किया। उनकी आखिरी नौकरी दिल्ली में जनरल मैनेजर के पद पर थी। एमटेक बाबा ने हरिद्वार में 10 दिन तक भीख मांगी और वहां के अनुभव को अपनी जीवन यात्रा का एक अहम हिस्सा माना। उनका मानना है कि ज्यादा पैसा होने से जीवन की साधारणता और मानसिक शांति प्रभावित होती है। उन्होंने निरंजन अखाड़ा से जुड़ने की इच्छा जताई थी, लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो वह महंत श्री राम रतन गिरी से दीक्षा लेने के लिए उत्तरकाशी के एक छोटे से गांव में बस गए।

महाकुंभ में वायरल हुई मोनालिसा

» दादा ने कहा खूबसूरती ने ठप्प कर दिया बिजनेस

प्रयागराज,21 जनवरी 2025(ए)। प्रयागराज महाकुंभ में इंदौर की मोनालिसा अपनी कत्थई आंखों और खूबसूरती के कारण वायरल हो गई, लेकिन अब यह उनके परिवार के लिए मुसीबत बन गई है। मोनालिसा के दादा, लक्ष्मण ने बताया कि उनका परिवार महेश्वर के घाट पर माला बेचकर अपना जीवनयापन करता है। हालांकि, मोनालिसा के प्रसिद्ध होने के बाद उनका व्यवसाय ठप हो गया है। अब लोग उन्हें घेरकर इंटरव्यू ले रहे हैं, जिससे उनके सामान की बिक्री प्रभावित हो रही है। मोनालिसा और उनके पिता अब घर वापस लौटने का सोच रहे हैं, क्योंकि उनका व्यापार बिल्कुल ठप हो गया है। लक्ष्मण ने बताया कि उन्होंने प्रयागराज कुंभ में माला और पूजा का सामान बेचने की योजना बनाई थी और इसके लिए उधार भी लिया था। लेकिन मोनालिसा की लोकप्रियता के कारण वह सामान बिक नहीं पा रहा है, जिससे उनके ऊपर कर्ज चुकाने का दबाव बढ़ गया है। दादा ने यह भी कहा कि परिवार के अन्य सदस्य भी सामान बेचने के लिए प्रयागराज गए तो वहां लोग उन्हें परेशान कर रहे हैं, जिससे मोनालिसा और उनके पिता की वापसी की योजना बन रही है।

नागा साधुओं को देख खुद भी कपड़े उतारने लगी विदेशी महिलाएं

प्रयागराज,21 जनवरी 2025(ए)। प्रयागराज में लगे महाकुंभ का आज 8वां दिन है। सोमवार को सुबह 10 बजे तक 30 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। अब तक 8.5 करोड़ से ज्यादा लोग पवित्र संगम में स्नान कर चुके हैं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार महाकुंभ में नागाओं को देखकर एक विदेश महिला खुद नग्न हो गई और अपने कपड़े उतारकर संगम में छलांग लगा दिया।

नागाओं को देखकर उतारे कपड़े

साल 2001 के कुंभ में कुछ ऐसा हुआ कि हड़कंप मच गया। सुबह-सुबह नागा साधु ढोल-नगाड़ा लेकर शाही स्नान करने पहुंच रहे थे। वो झूमते हुए तलवारबाजी कर रहे थे। साथ में हर-हर महादेव का उद्घोष कर रहे थे। जैसे से ही वो संगम में डुबकी लगाने के लिए उतरे तभी उन्हें देखकर एक 25-30 साल की विदेशी महिला अचानक अपने कपड़े उतारने लगी। लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही महिला ने अपने कपड़े उतारकर संगम में छलांग लगा दी. कुछ देर बाद महिला स्नान करके बाहर निकली और संगम किनारे रेत के ढेर पर लोटने लगी। नागाओं को देखकर वह अपने नग्न शरीर पर रेत मलने लगी। उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। तभी कुछ पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे और उसे कंबल ओढ़ाकर अपने साथ ले गए।

संपादकीय

भारत-बांग्लादेश संबंधों में कड़वाहट जारी

बांग्लादेश में शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट जारी है। ताजा मसला सीमा पर तारबंदी को लेकर उपजा है।बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को जिस वजह से तलब किया, वह इस छोटे से मुल्क की भारत के प्रति कटुता को जाहिर करने के लिए काफी है। आरोप लगाया गया कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए सीमा पर पांच स्थानों पर तारबंदी की कोशिश कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश हमेशा से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई का विरोधी रहा है।हमेशा से सीमा पर बीएसएफ की बीजीबी (बार्डर गार्ड बांग्लादेश) से भिड़ंत होती रही है। कई बार बांग्लादेशी नागरिक अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत घुसने की कोशिश करते हैं।स्वाभाविक है, बीएसएफ उन लोगों को रोकने की कोशिश करती है और न मानने पर उन्हें मार गिराती है। बांग्लादेश के हुक्मरान को इसी बात से चिढ़ है। वैसे भी मोहम्मद युनूस के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से जिस तरह पड़ोसी देश भारत के प्रति आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए है, वह वाकई बहुत कुछ सोचने पर विवश करती है।शेख हसीना सरकार के हटने के बाद से जिस तरह वहां हिन्दू समुदाय के साथ लोमहर्षक घटना को अंजाम दिया गया, वह तथ्य की पुष्टि करने के लिए काफी है कि अब बांग्लादेश किसी और देश द्वारा निर्देशित हो रहा है। वहां वर्षों से रहने वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ अब तक का सबसे बुरा व्यवहार हुआ है। कई लोग मारे गए, कइयों से लूटपाट की गई और सबकुछ छीन लिया गया।यह सब कुकर्म उस देश में और उस समुदाय के साथ किया गया जिसने इस देश को बनाने के लिए हर तरह की कुर्बानियां दीं। इस बात में शक नहीं कि पाकिस्तान और चीन के बाद बांग्लादेश ही ऐसा पड़ोसी है, जिसने भारत को चोट पहुंचाई। लिहाजा, भारत को अब नये सिरे से इस बारे में मंथन करने की दरकार है। भारत जानता है कि सीमा पर गड़बड़ी को नजरअंदाज करना उसके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है।

हेमू कालाणी:त्याग,बलिदान एवं देशभक्ति का प्रखर नायक

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध 1857 से आरंभ किया गया संग्राम स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 1947 तक अनवरत अहर्निश गतिमान रहा है। स्वातंत्र्य समर की यह जाज्वल्यमान मशाल न कभी बुझने पाई, न डिगने पाई। स्वातंत्र्य समर में समाज के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों ने अपना योगदान दिया है; चाहे वे किसान, मजदूर, राजनीतिक व्यक्तित्व रहे हों या फिर विद्यार्थी, शिक्षक और पत्रकार। किसी ने अपनी लेखनी से क्रांति के गीत रचे हैं तो किसी ने अपने पावन रक्त से मां भारती का तिलक किया है। देश के अस्तित्व रक्षा के लिए उम्र मायने नहीं रखती। गुलामी की बेड़ियां काटने के लिए किशोर वय क्रांतिकारियों ने भी राष्ट्र चेतना के गौरव अनुष्ठान में अपने जीवन की आहुति समर्पित की है। नाना साहब पेशवा की बेटी मैना हो, उत्कल का किशोर पूनम नेगी या फिर बंगाल का सिंह शावक खुदीराम बोस। किशोर बलिदानियों की इस श्रंखला में सिंध के शहीद हेमू कालाणी का नाम विश्व में बड़े आदर से लिया जाता है।

हेमू कालाणी को राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संस्कार बचपन से ही मिले थे। हेमू का जन्म 23 मार्च, 1923 को सिंध के सक्खर नामक गांव में पिता पेसूमल कालाणी एवं माता जेठी बाई के कुल-परिवार में हुआ था। वह समय भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के चरम का था तो वहीं भारतीयों के विरुद्ध अंग्रेजी शासन द्वारा किए जा रहे अमानवीय यातना एवं दमन का भी। अंग्रेजों के कठोर एवं निर्दयी पाशविक व्यवहार से संपूर्ण देश में क्रांति एवं विद्रोह का एक वातावरण बना हुआ था। महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, लाला लाजपत राय जन-जन के दिलों में श्रद्धा एवं शक्ति का केंद्र बन गये थे। महात्मा गांधी जब सिंध की यात्रा पर आए तो जन सैलाब सड़कों पर उतर आया। कराची में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन से भी पूरे सिंधु में स्वतंत्रता के लिए एक प्रेरक वातावरण बना। ऐसे में हेमू का बाल मन भला कैसे अप्रभावित रह सकता था, जिसे आरंभ से ही मां जेठी बाई द्वारा रात्रि में सोने से पहले महान बलिदानी नायकों एवं त्यागी-तपस्वियों की कहानी सुनाई जाती रही हो। सात-आठ वर्ष का बालक अपने हमउम्र साथियों के साथ अपने हाथों में तिरंगा उठा नेतृत्व करते हुए शहर की बस्तियों में गली-गली प्रभात फेरी निकाला करता। संयोग से 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह एवं साथियों को फांसी की सजा दिए जाने से देश भर में अंग्रेजों के खिलाफ ज्वार उमड़ा। बालक हेमू ने संकल्प लिया कि एक दिन वह भी भगत सिंह की तरह भारत माता की सेवा-साधना में अपने प्राणों की समिधा समर्पित कर देगा। वह कपड़े से फांसी का फंदा बना साथियों के साथ भगत सिंह की फांसी का खेल खेलता। मां के यह पूछने पर कि हेमू तू कैसे खेल खेलता रहता है। वह निर्भय बालक बोलता,मां ! एक दिन पूरा भारत वर्ष तुम्हारे पुत्र का गौरव-गान करेगा। मुझे भारत माता को अंग्रेजों से मुक्त कराना है। मां गर्व से फूल बालक को सीने से लगा चूमने लगतीं। अब हेमू कालाणी जगह-जगह विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करता, होली जलाकर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग हेतु सामान्य जन को प्रेरित करता। काल चक्र गतिशील था। 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का ऐलान कर अंग्रेजों के विरुद्ध देशव्यापी संघर्ष छेड़ा। देश भर में जगह-जगह अंग्रेजों के विरुद्ध जनता उठ खड़ी हुई। सिंध भी ललकार कर खड़ा हुआ। पुलिस थानों, चौकियों, चौराहों पर विरोध प्रदर्शन होने लगे। हेमू इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने लगा। वह सिंध में लोकप्रिय हो घर-घर पहचाना जाने लगा। अक्टूबर 1942 में हेमू को जानकारी मिली कि क्वेटा, सिंध में आंदोलनकारियों को दबाने एवं संहार के लिए सक्खर से एक फौजी दस्ता तमाम घातक हथियारों को लेकर ट्रेन से जाने वाला है। तब हेमू ने साथियों के साथ योजना बना रात के समय पुल के पास रेल ट्रैक की फिश प्लेटें उखाड़ना शुरू किया। रात्रि के शांत वातावरण में हथौड़े की आवाज से ड्यूटी पर तैनात सिपाही मुस्तैद हो गए और पकड़ने को दौड़े। हेमू ने अपने दोनों साथियों को भगा दिया और स्वयं डटे रहे, पकड़े गए। सिपाहियों द्वारा असहनीय शारीरिक दंड दिया गया। साथियों का नाम-पता जानने के लिए निर्मम यातनाएं दी गयीं। लेकिन हेमू ने यही कहा कि मेरे केवल दो साथी थे रिंच और हथोड़ा। मार्शल लॉ कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में हेमू को आजन्म कारावास दिया। आदेश की प्रति सिंध के हैदराबाद सेना मुख्यालय के अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास अनुमोदन हेतु प्रेषित की गई। कर्नल आदेश प्रति पढ़कर आग बबूला हो गया और हेमू कालानी को अंग्रेजी सत्ता का खतरनाक शत्रु करार देते हुए आजीवन सजा को फांसी की सजा में बदल दिया। यह जानकारी बाहर आते हैं सिंध उबल पड़ा। गणमान्य व्यक्तियों के एक समूह ने वायसराय को पत्र लिखकर फांसी की सजा को आजन्म कारावास में बदलने की प्रार्थना की। लेकिन वायसराय ने शर्त रखी कि हेमू अपने दोनों साथियों के नाम बता दे। लेकिन हेमू ने शर्त अस्वीकार कर बलिदान का पथ चुना। अंततः 21 जनवरी, 1943 को 19 वर्ष की अल्प आयु में प्रातः काल 7:55 पर हेमू कालाणी को सक्खर की जेल में फांसी दे दी गई।

देश अपने उस किशोर बलिदानी को भूला नहीं। 18 अक्टूबर,1983 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने माता जेठी बाई की उपस्थिति में हेमू कालाणी पर 50 पैसे का डाक टिकट जारी किया। देश के तमाम शहरों यथा इंदौर, जयपुर,राजनांदगांव, जोधपुर, अजमेर,उल्हासनगर आदि में चौराहों के नाम हेमू कालानी चौक रखे गए। फैजाबाद में एक पार्क का नाम रख हेमू कालाणी की 15 फीट ऊंची प्रस्तर प्रतिमा स्थापित की गई। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मुख्य चौराहे कचहरी चौक में प्रतिमा स्थापित कर वार्ड का नाम हेमू कालाणी वार्ड रखा गया। दिल्ली में एक विद्यालय का नाम शहीद हेमू कालाणी सर्वोदय बाल विद्यालय रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वाधीनता के युद्ध का यह किशोर नायक करोड़ों भारतीयों के दिलों में हमेशा जीवित जाग्रत रहेगा। आजादी के अमृतकाल में देश की आजादी में निज जीवन की आहुति देने वाले अपने प्रखर देशभक्तों की बलिदान गाथा भावी पीढ़ी तक पहुंचाएं, यही उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी।

प्रकाशक: घटती-घटना

कैसे वाजिब है 70-90 घंटे काम करना?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

लंबे कार्य घंटों का महिमामंडन नहीं किया जाना चाहिए; इसके बजाय, टिकाऊ और कुशल कार्य अनुसूचियों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण दोनों को बढ़ावा दें। संतुलित और प्रेरित कार्यबल बनाने के लिए समान वेतन संरचना और वास्तविक समावेशिता आवश्यक है। प्रणालीगत असमानताओं को पहचानना और उनका समाधान करना एक निष्पक्ष कार्य वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। एक संपन्न कार्यबल व्यक्तिगत कल्याण और पारिवारिक जीवन के महत्त्व को स्वीकार करता है, तथा इन मूल्यों को कार्यस्थल संस्कृति में एकीकृत करता है। इसका लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ पुरुष और महिलाएँ स्वास्थ्य, परिवार या व्यक्तिगत समय से समझौता किए बिना व्यावसायिक सफलता प्राप्त करें, तथा एक समतापूर्ण और समृद्ध भविष्य के लिए सभी श्रमिकों की पूरी क्षमता का उपयोग करें।

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने हाल ही में सुझाव दिया था कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कर्मचारियों को रविवार सहित प्रति सप्ताह 90 घंटे तक काम करना चाहिए। लालची नौकरियाँ उन भूमिकाओं को संदर्भित करती हैं जो समय, ऊर्जा और प्रतिबद्धता के अनुपातहीन रूप से उच्च स्तर की माँग करती हैं,अक्सर उत्पादकता या परिणामों के बजाय लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत करती हैं। लालची नौकरियों का लिंग समानता और कार्य-जीवन संतुलन पर प्रभाव के साथ करियर विकास पर प्रभाव पड़ता है। महिलाएँ मुख्य रूप से घरेलू ज़िम्मेदारियाँ संभालती हैं, इसलिए वे लालची नौकरियों की माँग के अनुसार लंबे समय तक काम करने, देर रात तक मीटिंग करने और यात्रा करने में असमर्थ होती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने वाली महिलाओं की संख्या कम होती है, जिससे कार्यस्थल पर असमानताएँ बढ़ती हैं।

महिला श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि के बावजूद, कार्यबल में हर 10 पुरुषों के लिए केवल 4 महिलाएँ हैं। यह महिलाओं द्वारा असमान रूप से उठाए जाने वाले अवैतनिक घरेलू कार्यभार से जुड़ा है, जो उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रणालीगत बाधाएँ पैदा करता है। लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को ही आराम करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है, जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ होती हैं। यह व्यक्तियों और संगठनों के लिए दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ नहीं है। लालची नौकरियाँ परिवार के साथ बातचीत और देखभाल में भागीदारी को कम करती हैं, जिससे महिलाओं पर बोझ बढ़ता है। घरेलू कामों में पुरुषों का सीमित योगदान इस असंतुलन को बढ़ाता है।

नोबेल पुरस्कार विजेता क्लाउडिया गोल्डिन लालची नौकरियों की पहचान उन भूमिकाओं के रूप में करती हैं, जिनमें पर्याप्त वेतन मिलता है, लेकिन लंबे समय तक काम करना पड़ता है, व्यापक नेटवर्किंग, देर रात तक बैठकें करनी पड़ती हैं और लगातार यात्रा करनी पड़ती है। ये भूमिकाएँ अक्सर व्यक्तियों को व्यक्तिगत और पारिवारिक जिम्मेदारियों से अलग कर देती हैं, तथा अन्य सभी चीजों से ऊपर पेशेवर प्रतिबद्धताओं को प्राथमिकता देती हैं। दोनों काम करने वाले परिवारों के लिए चुनौतियाँ जिन परिवारों में दो कामकाजी माता-पिता होते हैं, उनमें बच्चों के पालन-पोषण की मांग के कारण आमतौर पर केवल एक ही लालची नौकरी कर सकता है। दूसरे माता-पिता को द्वितीयक भूमिका में रखा जाता है, जिसे अक्सर मम्मी ट्रैक के रूप में संदर्भित किया जाता है, जहाँ वे घरेलू और बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों का प्रबंधन करते हैं, जैसे स्कूल की गतिविधियाँ, चिकित्सा आवश्यकताएँ और पाठ्येतर गतिविधियाँ।

जबकि मम्मी ट्रैक की भूमिका माता-पिता में से किसी एक द्वारा निभाई जा सकती है, सामाजिक मानदंड और अपेक्षाएँ अक्सर यह बोझ महिलाओं पर डालती हैं। परिणामस्वरूप, महिलाएँ अक्सर पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए करियर में उन्नति और उच्च वेतन को छोड़ देती हैं। महिलाओं का कैरियर पथ प्रायः अवरुद्ध रहता है, जिससे नेतृत्वकारी भूमिकाएँ और कैरियर विकास के उनके अवसर सीमित हो जाते हैं। लालची नौकरियों और मम्मी ट्रैक के बीच का विभाजन वेतन अंतर को बढ़ाता है, यहाँ तक कि उच्च शिक्षित व्यक्तियों के बीच भी, क्योंकि पुरुष उच्च वेतन वाली, मांग वाली भूमिकाओं पर हावी हैं। यह गतिशीलता कार्यस्थल और समाज में प्रणालीगत लैंगिक असमानता को क़ायम रखती है।

परिणाम-आधारित प्रदर्शन मीट्रिक पेश करें जो कार्यालय में बिताए गए समय के बजाय परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे लंबे समय तक काम करने के घंटों का महिमामंडन कम होता है। साझा देखभाल जिम्मेदारियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरुषों और महिलाओं के लिए माता-पिता की छुट्टी तक समान पहुँच प्रदान करें। कैरियर विकास या मुआवजे के मामले में कर्मचारियों को दंडित किए बिना अंशकालिक या लचीली कार्य व्यवस्था को बढ़ावा दें। ऐसी नीतियों को लागू करें जो कार्यालय के घंटों के बाद काम से अलग होने के कर्मचारियों के अधिकार का सम्मान करती हैं, जिससे बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा मिलता है। कर्मचारियों के पास आराम और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करने के लिए साप्ताहिक कार्य घंटों (जैसे, 48 घंटे की सीमा) पर सख्त सीमाएँ लगाएँ। प्रबंधकीय पुरस्कारों को संगठनात्मक उत्पादकता और निष्पक्षता से जोड़कर पारिश्रमिक में असमानताओं को कम करें, सभी कर्मचारियों के लिए समान वेतन सुनिश्चित करें। घरेलू बोझ को कम करने के लिए साइट पर चाइल्डकैअर सुविधाओं और देखभाल सेवाओं का समर्थन करें। कार्यस्थल की संस्कृति को बढ़ावा दें जो कल्याण को महत्त्व देती है और परिवार के अनुकूल प्रथाओं को प्राथमिकता देती है। उन रूढ़ियों को चुनौती देने के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित करें जो केवल महिलाओं के साथ देखभाल को जोड़ती हैं और कर्मचारियों के बीच साझा घरेलू जिम्मेदारियों को बढ़ावा देती हैं। सरकारी नीतियों की वकालत करें जो कंपनियों को कर लाभ और प्रमाणन जैसे परिवार के अनुकूल और लिंग-समान प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

एक संतुलित समाज सभी श्रमिकों की पूरी क्षमता को अनलॉक करने और दीर्घकालिक समृद्धि सुनिश्चित करने की कुंजी है। लंबे कार्य घंटों का महिमामंडन नहीं किया जाना चाहिए; इसके बजाय, टिकाऊ और कुशल कार्य अनुसूचियों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण दोनों को बढ़ावा दें। संतुलित और प्रेरित कार्यबल बनाने के लिए समान वेतन संरचना और वास्तविक समावेशिता आवश्यक है। प्रणालीगत असमानताओं को पहचानना और उनका समाधान करना एक निष्पक्ष कार्य वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। एक संपन्न कार्यबल व्यक्तिगत कल्याण और पारिवारिक जीवन के महत्त्व को स्वीकार करता है, तथा इन मूल्यों को कार्यस्थल संस्कृति में एकीकृत करता है। इसका लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ पुरुष और महिलाएँ स्वास्थ्य, परिवार या व्यक्तिगत समय से समझौता किए बिना व्यावसायिक सफलता प्राप्त करें, तथा एक समतापूर्ण और समृद्ध भविष्य के लिए सभी श्रमिकों की पूरी क्षमता का उपयोग करें।

कविता

कभी अपने लिए, कभीअपनों के लिए

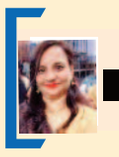

घटती-घटना
गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,राजस्थान

हम स्त्रियाँ समेट लेती है सारे बालों को जुड़े में
और बाँध देती है,बस एक लट को छोड़ देती है
उसे लहराने देती है कभी चेहरे पर
कभी हवाओं में यूँ ही और कभी कान के
पीछे समेट लेती है वैसे ही जैसे ,
सारी अभिलाषों को बाँध कर रख देती है
मन के किसी कोने में
और सिर्फ एक चाहत को खुला छोड़ देती है
मन के आँगन में चहकने और लहराने के लिए
ये जानते हुए भी कि
उसे भी समेटना पड़ता है
कान के पीछे खोंसे गये बालों की तरह
फिर भी उसे बार -बार
खुला छोड़ देती है
मन की खुशी के लिए
हम स्त्रियाँ बहुत कुछ छोड़ देती है
व बहुत कुछ बाँध लेती है
कभी अपने लिए
अभी अपनों के लिए।

स्वदेशी जलयान निर्माण में भारत की अद्वितीय प्रगति

हिन्द महासागर में चालाक चीन की चुनौती का जवाब देने और शक्तिशाली ब्लू वाटर नेवी' बनने की दिशा में भारतीय नौसेना न केवल आत्मनिर्भरता के साथ आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, बल्कि जलयानों की संख्या में भारी वृद्धि करने का निर्णय लिया है।यही कारण कि आज अग्रिम पंक्ति के दो अत्याधुनिक युद्धपोत नीलगिरि और सूरत के साथ ही वाग्शीर नामक एक सशक्त पनडुब्बी नौ सेना के बाड़े में शामिल हो रही है। भारतीय नौ सेना के इतिहास में पहली बार एक साथ दो युद्धपोत एवं एक पनडुब्बी को साथ शामिल किया जा रहा है। उनके शामिल हो जाने से भारतीय नौ सेना की परिचालन क्षमता एवं युद्ध तत्परता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।नीलगिरि प्रोजेक्ट, 17 ए. स्टील्थ फ्रिगेट का पहला युद्धक जलयान है जो, सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी 1 प्रोजेक्ट 17 स्टील्थ फ्रिगेट का पहला जलयान है, जो सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) फ्रिगेट का अनुवर्ती है। नीलगिरि एम डी एल, मुम्बई और जीआरएस ई, कोलकाता द्वारा निर्माणाधीन सात पी 17 ए फ्रिगेट्स में पहला है। ये बहुउद्देशीयीय युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारम्परिक तथा गैरपारम्परिक दोनों प्रकार के संकट से निपटने के लिए गहरे समुद्री' वातावरण में कार्य करने में सक्षम है।नवीनतम तकनीकी से युक्त इन जलयानों का निर्माण भी एकीकृत निर्माण' दर्शन का उपयोग करके किया गया है। यह जलयान संयुक्त रूप से डीजल या गैस (सीओडीओजी) मेन प्रोपल्शन द्वारा संचालित होता है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी. उन्नत तोप और तीव्रगति प्रहारक नजदीकी हथियार पण्रालियों से सुसज्जित है। आत्मनिर्भरता के साथ राष्ट्र निर्माण को विशेष रूप से दृष्टि में रखते हुए इस जलयान में 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है।नीलगिरि के निर्माण कार्य की आधारशिला 28 दिसम्बर 2017 को रखी गई और निर्मित इस पोत को पहली बार 28 सितम्बर 2019 को समुद्र में उतारा गया। यह जलपोत 24 अगस्त को अपने पहले समुद्री परीक्षण के लिए रवाना किया गया और तब से बंदरगाह व समुद्र में

इसके व्यापक परीक्षण किए गए हैं। अब इसे भारतीय नौ सेना को सौंप दिया गया है। स्टील्थ तकनीक युक्त यह जलपोत कई प्रकार के हेलीकॉप्टर संचालित करने की क्षमता के साथ अत्याधुनिक हथियार और सेंसरयुक्त है। सूरत' जलपोत गाइडेड मिसाइल युक्त विध्वंसक जंगी जलपोत भी भारतीय नौ सेना को मिलने जा रहा है। विशाखापट्टनम क्लास मिसाइल विध्वंसक जलयान के नौ सेना में शामिल होने से भारत की समुद्री शक्ति और अधिक बढ़ जाएगी, क्योंकि इसके साथ बराक और ब्रहमोस मिसाइलें लगी हुई हैं।सूरत प्रोजेक्ट 15 की स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक श्रेणी का चौथा और अंतिम जलपोत है, जो विगत तीन वर्षों में शामिल किए गए अपने पूर्ववर्ती भारतीय नौ सेना के जलयानों विशाखापट्टनम, मोरमुगाओ तथा इम्फाल के बाद आया है। यार्ड 12707 सूरत को भारतीय नौ सेना को सौंपा जाना, उस प्रतिष्ठित स्वदेशी विध्वसंक निर्माण परियोजना का समाधन है, जो प्रोजेक्ट 15 (तीन दिल्ली श्रेणी) के साथ शुरू हुई थी। यह 7400 टन भार विस्थापित करने वाला तथा 164 मीटर लम्बा व एक निर्देशित मिसाइल युक्त विध्वसंक श्रेणी का जलपोत है। नौ सेना के विवसंक पोत सूरत' में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जलयान रोधी मिसाइलों तथा तारपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों व सेंसरों से सुसज्जित है।यह स्वदेशी रूप से विकसित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस समाधान का उपयोग करने वाला भारतीय नौ सेना का पहला एआई सक्षम युद्धपोत होगा। यह जलपोत समुद्र के भीतर युद्ध करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसर से लैस है। वाग्शीर कलवरी क्लास प्रोजेक्ट-75 के अंतर्गत छठी स्कार्पीन क्लास पनडुब्बी दुनिया की सबसे शांत एवं बहुमुखी डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है।इसे एंटी सरफेस वारफेयर, एंटी सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियानों सहित अनेक तरह के मिशन को अंजाम देने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। भारत की ब्लू वाटर नौसेना समुद्री मोर्चे पर शांति स्थापित करने में अपना अनवरत सक्रिय सहयोग देती रही है। वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए भारतीय नौसेना को निरंतर सजग एवं सतर्क रहने की जरूरत है। स्वदेशीकरण और नवाचार के प्रति भारतीय नौसेना का दृष्टिकोण सकारात्मक सिद्ध हो रहा है। युद्धक पोत नीलगिरि', विध्वसंक पोत सूरत' और पनडुब्बी वाग्शीर' का संयुक्त कमीशन रक्षा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी जलयान निर्माण में भारत की अद्वितीय प्रगति का ही प्रतीक है। हिन्द महासागर क्षेत्र में अपनी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक भारतीय नौसेना का तेजी के साथ नवीनीकरण हो रहा है।

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र-

विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान

इस बार 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन 8-10 जनवरी, 2025 तक ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में किया गया। भुवनेर में संपन्न इस 18 वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 75 देशों से लगभग छह हजार भारतवंशियों ने शिरकत की।विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने इस मौके पर लैंगिक समानता और महिला विकास को भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अभिन्न अंग बताया। उनका यह कहना भी सही था कि ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मेजबानी केंद्र सरकार की पूर्वोदय' नीति को दर्शाती शर्ती है, जो पूर्वी भारत के विकास और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करती है।गौरतलब है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन केंद्र सरकार का महत्त्वकपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे 9 जनवरी को महात्मा गांधी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।दरअसल, प्रवासी भारतीय सम्मेलन की अवधारणा पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मस्तिष्क की उपज थी जिसकी शुरु आत उन्होंने 17 वर्ष पहले की थी। वाजपेयी को उस वक्त प्रवासी भारतीयों की बहुत याद आई जब 1998 में पोखरण में परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से अनुरोध किया कि वह भारत की मदद करें ताकि भारत को अमेरिका और उसके साथी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का कम से कम असर पड़े।वाजपेयी का यह संदेश राजदूतावासों और उच्चायोग के माध्यम से प्रवासी भारतीयों तक पहुंचाया गया। परिणाम यह हुआ कि भारत के कोष विदेशी मुद्रा से भर गए। गौर करने योग्य है कि भारत 2010 (53.48 बिलियन डॉलर), 2015 (68.91 बिलियन डॉलर) और 2020 (83.15 बिलियन डॉलर) में प्रेषण प्राप्त करने वाला शीर्ष देश था। विश्व प्रवासन रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भारत को 111 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रेषण प्राप्त हुआ जो विश्व में सबसे अधिक है और इस प्रकार भारत 100 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला पहला देश बन गया था।इस बार के सम्मेलन का विषय था-विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान'। राज्य सरकार ने युवा कार्य एवं खेलकूद मंत्रालय के सहयोग से आयोजन किया था। सम्मेलन की खास बात त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रपति क्रिस्टीनन कार्ला कैंगलू की मौजूदगी रही जिन्होंने सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में अन्य बातों के साथ-साथ तीन महत्त्वपूर्ण बातें कहीं। पहली, भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में निहित है। दूसरी, भारत लोकतंत्र की जननी ही नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। तीसरी, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की निर्णायक भूमिका है। भारत की विभिन्न क्षेत्रों में चहुंमुखी विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए मोदी का कहना था कि आज भारत मेड इन इंडिया फाइटर जैट बना रहा है। ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहा है और वो दिन भी दूर नहीं जब मेन इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाने भारत आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्म ने समापन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान भी प्रदान किया।

-गिरीश चन्द्र पाण्डे-

कविता

चेहरा क्या देखते हो

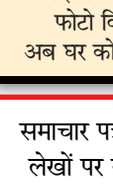

घटती-घटना
मदन मंडावी
ढारा,डोंगरगढ,
छत्तीसगढ़

चेहरा क्या देखते हो..?*
चेहरा क्या देखते हो,
दिल में उतरकर देखो ना।
अजी पेट का सवाल है,
अपनी नजरों से यूँ देखो ना।
मैं रुद्राक्ष बेंचती हूं,
कुछ माला मुझसे ले लो ना।
मैं बड़ी सुंदर लगती हूं,
किसी फिल्म में जगा देदो ना।
मोनालिसा कहके पुकारा,
चांदनी की जगह मुझे लेलो ना।
इंदौर में रहती हूं साहब,
तुम अपनी घर की पता दे दो ना।
घुर घुरकर जवा कर दिए,
सगाई की रस्म अदा कर लो ना।
फोटो विडियो से हुई परेशां,
अब घर को लौट जाने भी दो ना।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

महामाया पहाड़ अतिक्रमण मामला : बेघर हुए लोग खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को हैं मजबूर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

महामाया पहाड़ से अतिक्रमण की कार्रवाई के बाद बेघर हुए लोगों ने नावागढ़ स्थित एक खुले मैदान में शरण लिया है। देखने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे किसी आपदा से लोग प्रभावित हुए हैं और मैदान में शरण ले रखा है। लोगों का सारा सामान खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। कडक़ड़ाती ठंड में लोग मैदान में खुले आसमान के नीचे जीवन गुजार रहे हैं। दिन तो किसी तरह कट जा रही है पर कडक़ड़ाती ठंड में रात का समय गुजारना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। वहीं इनकी स्थिति को देखते हुए कुछ समाजसेवियों ने टेंट व खाने-पीने की व्यवस्था की है। सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई है। विशेष परेशानी छोटे बच्चों व बुर्जुगों को हो रही है। देर रात तक लोगों ने अलाव के पास बैठकर रातें गुजारी। बुघर हुए लोगों ने बताया कि हमारे आसियाने को उजाडऩे के बाद अधिकारी हमारी सुध लेने तक नहीं पहुंचे।

वहीं दो दिनों से बच्चे स्कूल तक नहीं गए हैं। बेघर हुए लोगों ने पुनर्वास व आर्थिक सहायता की मांग को लेकर मंगलवार को रैली निकाल कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान लगभग दो लोग लोग थे। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण पुलिसकर्मियों ने उन्हें कलेक्ट्रेट प्रवेश करने से रोक दिया। इस दौरान प्रभावित लोगों का प्रतिनिधि मंडल एसडीएम से मिलकर उचित राहत देने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। एसडीएम फगेश सिन्हा का कहना है कि जो भी कार्रवाई हुई है वह वन विभाग द्वारा की गई है, ऐसे में वन विभाग को प्रभावित लोगों को राहत देना चाहिए। उन्होंने कहा ज्ञापन में प्रभावित लोगों ने अटल आवास सहित अन्य सुविधा की मांग की है इसके लिए वह उच्च अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराएंगे।

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा है कि रविवार को प्रशासन ने अचानक मां महामाया पहाड़ पर से अतिक्रमण हटाने का फैसला किया और बुलडोजर से कई घर तोड़ दिए। न्यायालय का इस पर रोक के लिए ऑर्डर आने तक कई लोग बेघर हो चुके थे। प्रशासन ने ऐसा दिन चुना भी जब वहां के लोग न्यायालय भी नजीं जा सकते थे। उम्मीद है कि वन और राजस्व क्षेत्र की जांच कराकर,बिना किसी दबाव के प्रशासन न्यायोचित निर्णय लेगा। पहले चरण में वन विभाग द्वारा सामेवार को 60 घरों अतिक्रमण अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान अधिकांश लोगों ने स्वयं ही अपने-अपने घरों से अल्बेस्टर शीट, खिडक़ी-दरवाजे सहित अन्य सामान निकालकर घर को खाली कर दिया था। वहीं दोपहर करीब 1 बजे तक लगभग 40 घरों पर बुलडोजर चल चुका था। इसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी गई। इसके लिए हाईकोर्ट ने 5 दिनों का समय दिया है। शेष 20 घर भी खंडहर हो चुके हैं।

कोलाहल अधिनियम 1985 के तहत तीव्र संगीत, ध्वनि विस्तारक यंत्र तथा कोलाहल प्रतिबंधित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन हेतु निर्वाचन की घोषणा हो चुकी है एवं आदर्श आचरण संहिता निर्वाचन प्रक्रिया समापन तक प्रभावशील रहेगी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के पालन, निर्वाचन कार्य, स्वतंत्र, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन सम्पन्न कराने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए लोकहित में यह आवश्यक हो गया कि निर्वाचन की कार्यवाही समाप्ति होने एवं निर्वाचन परिणाम घोषित होने तक नगर पालिका निगम क्षेत्र अम्बिकापुर, नगर पंचायत सीतापुर एवं लखनपुर, सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत सीमा क्षेत्र में तीव्र संगीत, ध्वनि विस्तारक यंत्र तथा कोलाहल को प्रतिबंधित किया जाए।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री विलास भोसकर के द्वारा कोलाहल अधिनियम 1985 की धारा-10 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी प्रकार की तीव्र संगीत,ध्वनि विस्तारक यंत्र, मोटर यान के विद्युत हार्न से उत्पन्न होने वाले कोलाहल एवं मनुष्य या मशीन द्वारा कारित कोलाहल जिससे सामान्य व्यक्ति घबरा जायें या जिसे सुनकर व्यक्ति क्षोभ या संत्रास कारित हो को प्रतिबंधित किया गया है। निर्वाचन के प्रयोजन के लिए सम्पूर्ण निर्वाचन अवधि के दौरान प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक किसी भी क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर) को धीमी गति में प्रयोग करने की अनुमति संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी तथा संबंधित क्षेत्र के कार्यपालिक दण्डाधिकारी के अधीन होगी। इस समयावधि में किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग तभी किया जाएगा जब उससे निर्वाचन आयोग द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों या आदेशों का उल्लंघन न होता हो। चलित वाहन में ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग आयोग के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों या आदेशों के अनुरूप एवं आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा पर ही किया जाएगा। यह प्रतिबंध धारा-13 के तहत जिन्हें विधि द्वारा छूट प्रदान की गयी है, उन पर लागू नहीं होगा। इस आदेश के द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन किए जाने पर छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा-16 (1) के प्रावधान अनुसार कोई पुलिस अधिकारी जो प्रधान आरक्षक के पद से कम संवर्ग का न हो, संबंधित ध्वनि विस्तारक यंत्र को जब्त कर सकेगा। यह आदेश तत्काल प्रवृत होगा एवं निर्वाचन कार्य के अवसान होने तक प्रभावशील रहेगा। यह आदेश 20 जनवरी को जारी किया गया है।

शहर से दो दोस्तों का अपहरण, डरकर परिजन ने फोन-पे पर डाले 35 हजार रुपए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शहर के अजिरमा स्थित बुधवारी बाजार के पास से 19 जनवरी की रात 9 बजे दो युवकों का अपहरण किए जाने का मामला सामने आया है। इधर परिजन मामले की रिपोर्ट मंगलवार को गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञाता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार दिनेश मरावी पिता इंदर साय मरावी दरिमा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह 19 जनवरी की धाम को घर से करीब 6-7 बजे अंबिकापुर जा रहा हूं कह कर घर से निकला था। इसके बाद रात करीब 12 बजे दिनेश अपने मोबाइल से अपनी पत्नी को फोन किया और बताया कि मैं अपने दोस्त काबिल अंसारी के साथ रात करीब 9 बजे अजिरमा स्थित बुधवारी बाजार के पास था। तभी अज्ञात लोग आए और हम दोनों का अपहरण कर रेलवे स्टेशन ले गए। वहां से ट्रेन में बैठाकर कहीं ले जा रहे हैं और बोल रहे हैं कि अपने घर से पैसे की मांग करो नहीं तो दोनों को जान से मारकर फेंक देंगे। पति व उसके दोस्त के अपहरण किए जाने की जानकारी मिलने पर दिनेश की पत्नी ने घटना की जानकारी अपने ससुर इंदर भगत को दी। परिजन डरकर दिए गए दो मोबाइल नंबर पर 15 हजार व 20 हजार रुपए डाल दिए। इसके बाद दिनेश का मोबाइल बंद बता रहा है। वहीं दिनेश के दोस्त काबिल अंसारी के मोबाइल से फोन कर और फिरौती की मांग की जा रही है। दोनों दोस्तों को अब तक पता नहीं चल पाया है। इधर दिनेश के पिता इंदर मरावी ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 140(1) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

युवक ने पेड़ से फांसी लगाकर की आत्महत्या,पुलिस जांच में जुटी

- संवाददाता -
बलरामपुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम दुप्पी में एक युवक ने पेड़ पर रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान ग्राम दुप्पी निवासी संफत लाल गोंड (40 वर्ष), पिता ननकू गोंड के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि संफत लाल का संबंध एक अन्य महिला के साथ था, जिसके चलते उसने उसे लेकर भागने का कदम उठाया। इस घटना के बाद उसकी पहली पत्नी ने पंचायत कराई, जहां उसने पति पहली पत्नी के साथ रहने से इनकार कर दिया। कुछ समय बाद उसकी दूसरी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई, जिससे वह मानसिक तनाव में रहने लगा। इस वियोग और मानसिक परेशानी के कारण संफत लाल ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है

कलेक्टर ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के तैयारीयों का लिया जायजा, दिया आवश्यक दिशा निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर/ कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने पीजी कॉलेज में आयोजित होने वाले 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की तैयारी का जायजा लिया। उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, बिजली पानी, ग्रीन रूम, साउंड सिस्टम सहित अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की तैयारी समय पर पूर्ण करने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने साउंड सिस्टम एवं विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, निगम निगम आयुक्त श्री डी एन कश्यप, एसडीएम अम्बिकापुर श्री फागेश सिन्हा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

महिला ने पहले की फांसी लगाने की कोशिश, फिर कीटनाशक सेवन कर दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मानसिक रूप से बीमार महिला ने 16 जनवरी की रात को कीटनाशक सेवन कर ली थी। कीटनाशक सेवन करने से पूर्व महिला फांसी लगाने की कोशिश की थी। उस समय उसका बेटा देखा तो उसे बचा लिया था। कीटनाशक सेवन के बाद महिला को इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शांति दास पति स्व. भोला राम उम्र 45 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम अमोली के रहने वाली थी। इसका दिमागी हालत ठीक नहीं था। वह 16 जनवरी की रात को फांसी लगाने की कोशिश की। सही समय पर उसका बेटा देख लिया और उसे बचा लिया। इसके बाद देर रात महिला कीटनाशक सेवन कर ली। परिजन ने उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान 20 जनवरी की शाम उसकी मौत हो गई।

कलेक्टर एवं एसपी ने लिया नाम निर्देशन की तैयारियों का जायजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

- सुरक्षा व्यवस्था,बैरिकेडिंग, वाहनों के पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों के सम्बंध में ली गई जानकारी
- कलेक्टरेट कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा नामांकन दाख़िल करने वाले अभ्यर्थियों हेतु कला केंद्र मैदान में होगी वाहन पार्किंग व्यवस्था

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु 22 जनवरी 2025 से नाम निर्देशन प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल ने नाम निर्देशन की प्रक्रिया के लिए आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने नाम निर्देशन पत्र लेने हेतु नियत कक्षों का निरीक्षण कर निर्देशन से पूर्व जरूरी तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था,बैरिकेड, वाहनों के पार्किंग व्यवस्था, अभ्यर्थियों और उनके साथ आने वाले प्रस्तावकों के बैठक व्यवस्था के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। जिला कार्यालय परिसर एवं आस-पास की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला कार्यालय में प्रवेश एवं पार्किंग व्यवस्था निर्धारित की गई है। जिसके तहत निर्वाचन कार्य में संलग्न कलेक्टरेट कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों तथा नामांकन दाखिल करने वाले अभ्यर्थियों के वाहन हेतु निर्धारित पार्किंग स्थल कलाकेंद्र मैदान होगा। नामांकन कक्ष में अभ्यर्थी सहित 05 व्यक्ति को रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के अन्दर आने की अनुमति होगी। नाम निर्देशन पत्र कार्यालयीन दिवस में प्रातः 10:30 से अपरान्ह 03:00 बजे तक प्राप्त किया जाएगा। इस दौरान एएसपी श्री अमोलक सिंह, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक सहित, आयुक्त नगर पालिक निगम श्री डी.एन.कश्यप सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

नाम निर्देशन हेतु निर्धारित स्थल-

सम्पूर्ण नगर पालिक निगम क्षेत्र (वार्ड क्र. 1 से वार्ड क्र. 48 तक) महापौर पद हेतु न्यायालय अपर कलेक्टर कक्ष में रिटर्निंग ऑफिसर अपर कलेक्टर श्री सुनील कुमार नायक द्वारा निर्देशन पत्र लिए जाएंगे। वहीं पार्षद (वार्ड क्र. 1 से वार्ड क्र. 12 तक) हेतु न्यायालय तहसीलदार कक्ष अम्बिकापुर में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अपर कलेक्टर श्री राम सिंह ठाकुर द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे। पार्षद (वार्ड क्र. 13 से वार्ड क्र. 24 तक) हेतु न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कक्ष अम्बिकापुर में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकापुर श्री फागेश सिन्हा द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे। पार्षद (वार्ड क्र. 25 से वार्ड क्र. 36 तक) हेतु न्यायालय नजूल अधिकारी कक्ष में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर डिप्टी कलेक्टर श्री देव सिंह उईके द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे। वहीं पार्षद (वार्ड क्र. 37 से वार्ड क्र. 48 तक) हेतु शिकायत शाखा कक्ष में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर आयुक्त नगर पालिक निगम श्री डी.एन.कश्यप द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिए जाएंगे।

हमास ने गिफ्ट हैं पर देकर छोड़े इजरायली महिला बंधक, तोहफे में क्या दिया जानते हैं ?

हमास,21 जनवरी 2025। इजरायल और हमास के बीच लगभग 15 महीने चले युद्ध के बाद सीजफायर पर सहमति बन गई है। सीजफायर पर सहमत होने के बाद 19 फरवरी को हमास ने तीन इजरायली महिला बंधकों को रिहा किया। हमास की सैन्य शाखा कस्साम ब्रिगेड्स ने बंधकों की रिहाई का एक वीडियो भी जारी किया। इस वीडियों में कुछ ऐसा नजर आया. जिसने लोगों को चौंका दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे ही रोमी गोनेन,डोरोन स्टीनब्रेचर और एमिली दामारी गाजा सिटी में जैसे ही रेड क्रॉस की स्क्वॉ में बैठे. एक हमास सैनिक ने उन तीनों को कस्साम ब्रिगेड के लोगो के साथ एक पेपर बैग दिया. जो कि एक गिफ्ट बैग था। इसके बाद नकाबपोश सैनिक ने एक सर्टिफिकेट दिखाया। जिस पर हिब्रू और अरबी भाषा में रिहाई का निर्णय लिखा हुआ था।

19 फरवरी को इजरायली सुरक्षा बलों ने एक फुटेज जारी किया था। जिसमें तीनों महिलाएं बैग ले जा रही थीं। हालांकि इसमें कस्साम ब्रिगेड का लोगो ब्लर कर दिया गया था। हमास ने तीनों महिला बंधकों को गाजा में रेड क्रॉस की मदद से इजरायली सेना को सौंप दिया।

तीन बंधकों में से एक रोमी गोनेन के परिवार के एक प्रतिनिधि ने सीएनन को बताया कि उन्हें जो बैग मिला था। उसमें सर्टिफिकेट,एक नेकलेस और तस्वीरें थीं. इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी (शिन बेट) ने इन सामानों को जब्त कर लिया है। उन्होंने फोटो के बारे में डिटेल में नहीं बताया. लेकिन इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन तस्वीरों में महिलाओं के कैद में बिताए 15 महीनों को दिखाया गया है।

इन बंधकों के हैंडओवर के दौरान रेड क्रॉस के एक प्रतिनिधि को अरबी भाषा के एक डॉक्यूमेंट पर सिग्नेचर करने के लिए कहा गया। डॉक्यूमेंट में लिखा था। इजरायली कैदियों की प्राप्ति की रसीद। मैं अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस का प्रतिनिधि स्वीकार करता हूं कि मुझे इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन हमास की सैन्य शाखा इज एद्दीन अल-कस्साम ब्रिगेड से कुल तीन कैदी मिले हैं, जो...और फिर बंधकों के नाम लिखे थे। इजरायल और हमास के बीच सीजफायर समझौते के फर्स्ट फेज में हमास ने अपनी कैद से तीन इजरायली बंधकों को रिहा किया। इजरायल डिफेंस फोर्स ने बताया कि तीनों रिहा किए गए बंधक अपनी-अपनी मां के साथ इजरायली वायुसेना के हेलिकॉप्टर में सवार होकर अस्पताल पहुंचे। जहां उनकी मुलाकात अपने परिवार के बाकी सदस्यों से हुई।

उम्मीद है अमेरिका फिर विचार करेगा,वैश्विक स्वास्थ्य निकाय से हटने के ट्रंप के फैसले पर डब्ल्यूएचओ

न्यूयॉर्क, 21 जनवरी 2025। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग कर लिया। पदभार संभालने के पहले ही दिन राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के साथ अपने संबंध समाप्त करने की घोषणा कर दी। अमेरिका के इस कदम पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि, हमें उम्मीद है कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस पर पुनर्विचार करेगा।

ट्रंप ने सोमवार को शपथ ग्रहण के तुरंत बाद अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करने वाले एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए। पांच साल से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब अमेरिका ने वैश्विक निकाय से हटने का आदेश दिया है। ट्रंप लंबे समय से डब्ल्यूएचओ की आलोचना करते रहे हैं और अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका को इस वैश्विक स्वास्थ्य संस्था से अलग करने का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन उनके उत्तराधिकारी जो बाइडन ने इस

योजना को रोक दिया था।

डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन इस घोषणा पर खेद व्यक्त करता है कि अमेरिका संगठन से हटना चाहता है। हमें उम्मीद है कि अमेरिका इस पर पुनर्विचार करेगा और हम पूरी दुनिया में लाखों लोगों की सेहत और भलाई के लिए अमेरिका तथा डब्ल्यूएचओ के बीच साझेदारी बनाए रखने के वास्ते रचनात्मक बातचीत में संलग्न होने के लिए तत्पर हैं।

बयान में कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ बीमारियों के मूल में जाकर, मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करके और अक्सर खतरनाक स्थानों पर बीमारी के प्रकोप सहित स्वास्थ्य आपात स्थितियों का पता लगाने, रोकने और उनका जवाब देकर अमेरिकियों सहित दुनिया के लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहां अन्य लोग नहीं जा सकते।

बयान में कहा गया है कि अमेरिका 1948 में डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य था और तब से इस वैश्विक स्वास्थ्य इकाई और इसके कार्यकारी बोर्ड में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से 193 अन्य सदस्य देशों के साथ इसके कार्यों को आकार देने और संचालित करने में भाग लेता रहा है।

चीन ने दिया समर्थन

वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अमेरिका के हटने की घोषणा के बाद चीन ने मंगलवार को इस वैश्विक संस्था के प्रति अपना समर्थन जताया। अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ पर कोविड-19 महामारी के संकट से सही से नहीं निपटने का आरोप लगाते हुए इससे हटने की घोषणा की है। ट्रंप ने सोमवार को अपने शपथ ग्रहण के बाद डब्ल्यूएचओ से अमेरिका की वापसी की प्रक्रिया शुरू करने संबंधी शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए।

बांग्लादेश ने भारत से फिर की शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग , कहा- जरूरत हुई तो दुनिया से लूंगा स

ढाका, 21 जनवरी 2025। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से वापस लाने के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी और यदि जरूरत हुई तो अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप की भी मांग करेगी। बता दें कि, 77 वर्षीय शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं।

डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार विधि सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा कि यदि नई दिल्ली हसीना को वापस करने से इनकार करती है तो यह बांग्लादेश और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि का उल्लंघन होगा।

होटल अग्निकांड में अब तक 66 लोगों की मौत और 51 लोग बुरी तरह झुलसे,घटना के वक्त सो रहे थे 234 मेहमान

अंकारा,21 जनवरी 2025। तुर्किये के गृह मंत्री ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी तुर्की के एक लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट में एक होटल में मंगलवार को आग लगने से कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। अली येरलिकाया ने आगे बताया कि इस आपदा में कम से कम 51 अन्य लोग घायल हुए हैं। गृह मंत्री येरलिकाया ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा,इस घटना से हम बहुत दुखी हैं।

सुबह 3.30 बजे लगी थी होटल में आग

वहीं स्वास्थ्य मंत्री केमल मेमिसोग्लू ने

बताया कि घायलों में से कम से कम एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों और रिपोर्टों के अनुसार, बोलू प्रांत के कार्तलकाया रिसॉर्ट में 12 मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तरां में सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। बता दें कि, घटना के दौरान होटल में कुल 234 लोग ठहरे थे।

घबराहट में इमारत से कूदे दो लोग,मौत

गवर्नर अब्दुलअजीज आयडिन ने सरकारी एजेंसी को बताया कि दो पीड़ितों की मौत घबराहट के कारण इमारत से कूदने के बाद हो गई। एक स्थानीय टेलीविजन ने कहा कि कुछ लोगों ने चादरों और कंबलों का उपयोग करके अपने कमरों से नीचे उतरने की कोशिश की।

घटना के दौरान होटल में रुके स्की प्रशिक्षक नेकमी केपसेटुटन ने कहा कि जब आग लगी तो वह सो रहे थे और वे इमारत से बाहर भागे। इसके बाद उन्होंने होटल से लगभग 20 लोगों को बाहर निकालने में मदद की। उन्होंने कहा कि होटल धुएं से घिरा हुआ था, जिससे लोगों के लिए आग से बचने का रास्ता ढूंढना मुश्किल हो गया था।

होटल में आग लगने पर नहीं बजा फायर अलार्म

प्रत्यक्षदर्शियों और रिपोर्टों में बताया गया कि होटल में फायर सिस्टम काम नहीं कर रहा था। होटल की तीसरी मंजिल पर ठहरे शख्स ने अताकन येलकोवन ने एक समाचार एजेंसी को बताया, मेरी पत्नी को कुछ जलने की गंध आई, जिसके बाद हम उठकर भागे, लेकिन होटल में इस दौरान कोई अलार्म नहीं बजा। कार्तलकाया इस्तांबुल से लगभग 300 किलोमीटर (186 मील) पूर्व में कोरोग्लू पहाड़ों में एक लोकप्रिय स्की रिसोर्ट है। स्कूल सेमेस्टर की छुट्टी के दौरान जब क्षेत्र के होटल खचाखच भरे हुए थे, तो आग लग गई। अन्य होटलों को एहतियात के तौर पर खाली करा लिया गया।

क्या है ? ट्रंप के एक फैसले से पूरी दुनिया पर होगा सीधा असर

- अमेरिकी राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने कई बड़े फैसले लिए...
- डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे पहले अमेरिका के दक्षिणी सीमा पर इमरजेंसी की घोषणा की...
- अमेरिका पहुंचने के लिए अब डंकी रूट पर भी ट्रंप ने रोक लगा दी...

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद ट्रंप ने कई बड़े फैसले किए। उन्होंने कई वादों को भी पूरा करने का काम किया, जिसका जिक्र उन्होंने चुनावी प्रचार के दौरान किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे पहले अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर इमरजेंसी की घोषणा की।

सीमा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये एलान ट्रंप ने किया। अमेरिकी सशस्त्र बलों को अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर आक्रमण के रूपों का मुकाबला करने का निर्देश दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य है कि इस सीमा से अमेरिका में होने वाले अवैध प्रवेशों को रोका जा सके।

ट्रंप ने लिए कई फैसले

राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कई बड़े फैसले लिए। उन्होंने बाइडन सरकार के 78 फैसलों को रद कर दिया। छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले के दोषी 1500 लोगों को माफी देने से लेकर अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर निकालने तक, कई अहम मुद्दों पर फैसला लिया।

ट्रंप ने अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने का फैसला कर लिया है। अमेरिकी आव्रजन नीति में बड़ा बदलाव किया जाएगा। इसका असर अमेरिका में मौजूद लाखों बच्चों की नागरिकता पर पड़ेगा, जिनका जन्म भले ही अमेरिका में हुआ है, लेकिन उनके माता-पिता वर्क वीजा पर वहां हैं।

अवैध प्रवासियों को घर भेजेंगे ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि मैं अपनी दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि सभी अवैध प्रवेश तुरंत रोक दिए जाएंगे और हम लाखों-करोड़ों अवैध विदेशियों को वापस उनके स्थानों पर भेजने की प्रक्रिया शुरू करेंगे, जहां से वे आए थे।

दरअसल,अमेरिका की उत्तरी और दक्षिणी सीमाओं का इस्तेमाल कई भारतीय लोग अवैध रूप से देश में घुसने के लिए भी करते रहे हैं। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन डेटा पर नजर डालें तो 2023 में रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को अवैध रूप से अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। वहीं, साल 2023 में कनाडा सीमा पर 30,010 और मैक्सिको सीमा पर 41,770 भारतीयों को सीमा में प्रवेश करने से रोका गया।

क्या है डंकी रूट ?

बता दें कि अमेरिका में प्रवेश के लिए अक्सर ये अवैध अप्रवासी डंकी रूट का सहारा लेते हैं। अक्सर जोखिम यात्रा का सहारा लेते हुए कई लोग अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने से पहले ये लोग अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं।

यहां से किसी एजेंट या सलाहकारों से फर्जी दस्तावेजों का प्रयोग करते हुए ये शिपिंग कंटेनरों या अन्य तरीकों का उपयोग करके लक्ष्य देशों में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं। कुछ रिपोर्ट में बताया गया है कि कई डंकी रूट यात्राएं लैटिन अमेरिकी देशों जैसे इक्वाडोर या बोलीविया से शुरू होती हैं, जहां भारतीय नागरिक आसानी से वीजा प्राप्त कर सकते हैं।

किस रास्ते जाते हैं प्रवासी

माना जाता है कि ये प्रवासी अक्सर कोलंबिया से होकर गुजरते हैं और खतरनाक डेरियन गैप को पार करते हैं। जो कोलंबिया और पनामा को अलग करने वाला घना जंगल है। इस इलाके में कोई सड़क नहीं है। यहां पर जंगली जानवर और आपराधिक गिरोहों का खतरा होता है। बावजूद इसके जान जोखिम में डालकर लोग ये यात्रा करते हैं।

लाखों रुपये खर्च करके जाते हैं ये प्रवासी

डंकी मार्ग से जाने में प्रवासियों को लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। ये प्रवासी 50 लाख से 85 लाख रुपये तक की फीस तस्करों को देते हैं, जो इन्हें डंकी मार्ग से अमेरिका में दाखिल कराने की जिम्मेदारी लेने की बात कहते हैं। ये काम बेहद महंगा और जोखिम भरा होता है। कई लोग इसे सीमित नौकरी की संभावनाओं से बचने और अपने परिवार की किस्मत सुधारने के लिए एक जरूरी कदम मानते हैं।

पोल्ट्री फार्म का नहीं करना चाहता हूं काम, जहर सेवन कर युवक ने की आत्महत्या

- संवाददाता -

अंबिकापुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

एक युवक ने जहर सेवन कर आत्महत्या कर ली। कीटनाशक सेवन करने से पूर्व पिता को फोन कर बताया था कि मैं पोल्ट्री फार्म का काम नहीं करूंगा।

जानकारी के अनुसार चंदन मंडल पिता शिबू मंडल उम्र 23 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर का रहने वाला था। वह पोल्ट्री फार्म का काम करता था। 19 जनवरी की शाम को अपने पिता के मोबाइल पर फोन कर बताया कि मैं पोल्ट्री फार्म का काम नहीं करना चाहता हूं। इसके बाद फोन काट दिया। इसके बाद रात 11 बजे घर पहुंचा और मां को कार में बैठाकर मामा के घर अजबनगर लेकर चला गया। मां घर के अंदर चली गई जबकि चंदन मंडल कार में ही बैठा था। वह कार के अंदर ही कीटनाशक सेवन कर लिया। मामा ने देखा तो इसकी जानकारी परिजन को दी और उसे इलाज के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद रेफर करने पर परिजन 20 जनवरी को मिशन अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज करा रहे थे। यहां देर रात उसकी मौत हो गई।

प्री-बोर्ड परीक्षा के दौरान निर्देशों का उल्लंघन, उप प्राचार्य सहित 4 शिक्षकों पर कार्रवाई

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्री-बोर्ड परीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के बावजूद भी लापरवाही किए जाने पर स्कूल के उप प्राचार्य सहित चार शिक्षकों के खिलाफ जनवरी माह का वेतन अवरूद्ध किए जाने की कार्रवाई की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार बोर्ड परीक्षा से पूर्व जिले के सभी हाई स्कूलों व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस दौरान स्कूलों को निर्देश दिया गया था कि विद्यार्थियों को संबंधित विषय शिक्षक द्वारा संबंधित प्रश्नपत्र का आदर्श उत्तर बताते हुए प्रश्न हल कराए जाने तथा विद्यार्थियों की सभी शंकाओं को निदान किए बिना विद्यालयों में छुट्टी नहीं किए जाने के निर्देश दिए गए थे। 20 जनवरी को विकासखंड शिक्षा अधिकारी बतौली द्वारा विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सेजेस बतौली में प्री बोर्ड परीक्षा के बाद दोपहर 3.23 बजे विद्यालय में छुट्टी कर दी गई। निर्देशों के उल्लंघन पर जिला शिक्षा अधिकारी ने सेजेस बतौली के उप प्राचार्य प्रसन्ना केरकेट्टा, अंग्रेजी की व्याख्याता शोभा सिंह, सुषमा गुप्ता तथा सहायक शिक्षक अनिल तिवारी के खिलाफ जनवरी माह का वेतन अवरूद्ध की कार्रवाई की गई है।

निर्वाचन समाप्ति तक जिले के अधिकारी-कर्मचारियों का अवकाश रहेगा प्रतिबंधित

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा राज्य में नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 की घोषणा के साथ जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गयी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विलास भोसकर के द्वारा आदेश जारी कर निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुये जिले में पदस्थ समस्त शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के समस्त प्रकार के अवकाश प्रतिबंधित किए गए हैं। आदर्श आचार संहिता के दौरान समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय/मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करेंगे। अति आवश्यक कार्य, अपरिहार्य कारणों से अवकाश पर जाने अथवा मुख्यालय छोड़ने की स्थिति में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के अवकाश की स्वीकृति सम्बन्धित विभाग के प्रमुख या कार्यालय प्रमुख के द्वारा एवं जिला स्तर के अधिकारी अवकाश हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुमति प्राप्त करने के पश्चात ही अवकाश पर प्रस्थान करेंगे।

शस्त्र लायसेंस धारियों को आग्नेय अस्त्र-शस्त्र समीपस्थ पुलिस थाने में जमा करने हेतु आदेश जारी

- संवाददाता -

अंबिकापुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिला दण्डाधिकारी एवं अनुज्ञापन प्राधिकारी श्री विलास भोसकर ने आदेश जारी कर आगामी नगरीय निकाय(नगर पालिका निगम अम्बिकापुर) एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 के निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण निर्वाचन सुनिश्चित करने हेतु तथा लोक शांति की सुरक्षा साथ ही आम व्यक्ति की सुरक्षा हेतु सीमित अवधि के लिये सरगुजा जिला सीमा क्षेत्र में आग्नेय अस्त्र लाइसेंसों को जमा करने कहा है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित न हो सके तथा इन अस्त्रों का दुरूपयोग होने से रोका जा सके। आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 उपधारा 3 के उप क्लाज(बी), धारा 21 के तहत सरगुजा जिला सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले सभी शस्त्र लायसेंसियों को आदेशित किया गया है कि वे अपने-अपने आग्नेय अस्त्र-शस्त्र नजदीकी पुलिस स्टेशन में सात दिवस के अंदर जमा करना सुनिश्चित करें।

इसके अतिरिक्त लायसेंसी अपने शस्त्र सरगुजा जिले के शस्त्र डीलर, जिनके पास शस्त्र डिपोजिट करने की अनुज्ञप्ति है, वहां भी जमा कर सकते हैं, जो व्यक्ति शस्त्र डीलर के पास शस्त्र जमा करते हैं, उसकी सूचना भी संबंधित थाने में प्रदान करेंगे। यह आदेश जिले में निवासरत सभी लायसेंसी तथा बाहर के जिले से आये लायसेंसी पर भी लागू होगा। सभी लायसेंसी आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के उपरांत अपने शस्त्र वापस प्राप्त कर सकेंगे।

ऐसे अनुज्ञप्तिधारी व्यक्ति जिनके पास सुरक्षा के लिहाज से शस्त्र होना अति आवश्यक है, अनुज्ञप्तिधारी के आवेदन पर जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा

विचार उपरांत इस आदेश से मुक्त रखने हेतु अथवा नहीं रखने के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा। जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी को दिये जाने वाले आवेदन कलेक्ट्रेट, सरगुजा के लायसेंस शाखा में दिया जा सकेगा। सभी अनुज्ञप्तिधारी, जिन्हे इस आदेश से मुक्त रखा गया है को भी अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना संबंधित थाने में आवश्यक रूप से तत्काल देनी होगी, ताकि अपने शस्त्र बिना थाना प्रभारी की अनुमति के अपने परिसर की सीमा क्षेत्र से बाहर नहीं ले जा सकेंगे एवं संबंधित थानेदार इनकी सूची पंजी में संधारित कर इसकी सूचना जिला कार्यालय के स्थानीय निर्वाचन शाखा में देंगे। आदेश जारी होने के दिनांक से निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति तक के लिए सरगुजा जिला सीमाक्षेत्र के भीतर रहने वाले शस्त्र लायसेंसियों के शस्त्र लायसेंस निलंबित किये गये हैं। संबंधित थाना प्रभारी एवं संबंधित शस्त्र डीलर यह सुनिश्चित करेंगे कि इस तरह जमा किये जाने वाले शस्त्र का उचित रूप से पंजी बनाकर उसमें जमा किये जाने वाले शस्त्रों का इंद्राज करेंगे और शस्त्र जमा करने वालों को इस संबंध में पावती देंगे। जमा कराये गये शस्त्रों को समुचित रूप से अपने अभिरक्षा में सुरक्षित रखेंगे एवं निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति के पश्चात एक सप्ताह के अंदर संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों को शस्त्र लौटाना सुनिश्चित करेंगे।

जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी गठित

शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों के शस्त्रों को जमा करने से छूट प्रदान करने के संबंध में निर्णय लिए जाने हेतु जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गई है जिसमें कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सरगुजा, पुलिस अधीक्षक सरगुजा एवं प्रभारी अधिकारी लाइसेंस शाखा जिला कार्यालय शामिल रहेंगे।

CMYK

लकड़ी माफिया की गाड़ी लोगों के लिए मौत बनकर दौड़ रही... आए दिन हो रहे हादसे...सोमवार को ही गई दो युवकों की जान

आखिरकार दैनिक घटती-घटना का अंदेशा सही साबित हुआ,लकड़ी माफियाओं के ट्रेक्टर से टकराकर पटना में दो युवकों की दर्दनाक मौत हुई

ओवरलोड साथ ही ट्राली क्षमता और उसके आकार से अधिक लंबी लकड़ियों से टकराकर दो युवकों ने गवाई जान कई हादसे

परिवहन विभाग यातयात विभाग यदि दैनिक घटती-घटना की खबर से लेता संज्ञान,बच जाती दो युवकों की जान

जान लेकर ट्रेक्टर मौके से हुआ फरार,प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो तेज थी ट्रेक्टर की रफ्तार,ट्रेक्टर में लदा था क्षमता से ज्यादा लड़की भी

क्या अब पुलिस पकड़ेगी ट्रेक्टर को या फिर उसे अज्ञात बताकर देगी अभयदान ?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर/पटना, 21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

लकड़ी माफिया पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जा रहा,यही वजह है की लकड़ी माफिया की गाड़ी सड़कों पर लोगों के लिए मौत बनकर दौड़ रही है, जब से बाहर के लकड़ी माफिया यहां आए हैं तब से रात दिन यूकेलिप्टस की कटाई तेजी से हो रही है और जिसके परिवाहन में दर्जनों ट्रैक्टर लगे हुए हैं, जो बड़ी स्पीड से सड़कों पर बिना दस्तावेज के दौड़ रहे हैं और इस वजह से कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं,एक बार फिर सोमवार को एक दुर्घटना पटना क्षेत्र में देखने को मिले जिसमें दो युवक की मौत हो गई, पर अभी तक वह गाड़ी पुलिस के हाथ नहीं लगी। 2 महीने में तकरीबन आधा दर्जन से अधिक दुर्घटना यूकेलिप्टस की गाड़ी को लेकर परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों से हुई है सूत्रों का कहना है कि एक दुर्घटना तो कोरिया के पुलिस अधीक्षक के सामने ही हुई थी वह भी किसी स्कूल बस में जाकर गाड़ी टकरा गई थी।

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 | 5

यूकेलिप्टस पेड़ की कटाई करने वालों की गाड़ी से गिरे मजदूर,ट्रक से टकराई राष्ट्रीय राज्यमार्ग में ट्रेक्टर

बिना नंबर प्लेट ओवरलोड सड़कों पर दौड़ रही ट्रैक्टरों पर क्या नहीं होगी कार्यवाही ?

कोरिया जिले के पटना से बड़ी खबर सामने आई है जो दैनिक घटती-घटना के अंदेशे को सच साबित कर गई घटना है और जिसके बाद अब सवाल भी खड़ा हो रहा है कि क्या जिला प्रशासन और जिले के शासकीय विभाग खबरों से संज्ञान लेना बंद कर चूके हैं क्या वह अब समाचार पत्रों या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से संबंध विच्छेद कर चुके हैं और अपने ही में मस्त हैं। मामला एक दुर्घटना का है जिसको लेकर दैनिक घटती-घटना कई बार अंदेशा जता चुका था कि कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है और इसे रोका जा सकता है यदि जिला प्रशासन या परिवहन साथ ही यातयात विभाग सजग हो जाए सतर्क होकर जांच करे और

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 21 दिसम्बर 2024 | 6

कोरिया में पुष्पा 3 तो नहीं बनाया जाएगा... यूकेलिप्टस पेड़ काटते-काटते तस्कर कहीं हसदेव के चंदन ना काटने लगे ?

कार्यवाही करे लेकिन ऐसा उन्होंने नहीं किया और दो नव युवक अपनी जान गंवा गए। दुर्घटना में मरने वाले युवकों का नाम संजय मरावी व अशोक सिंह बताया जा रहा है दोनों ही कुररीडीह, बसकर भैयाथान ब्लाक जिला सूरजपुर के बताए जा रहे है। मामला पटना से सामने आया है जहां एक दुर्घटना सोमवार की शाम घटी जो पाण्डवपारा रोड पर गायत्री मंदिर के समीप घटी जहां लकड़ी माफियाओं के ट्रेक्टर के चपेट में आने से दो नव युवक सड़क पर ही दम तोड़ गए। दैनिक घटती घटना इस संबद्ध में कई बार अंदेशा जता चुका था और वह लगातार प्रशासन सहित परिवहन एवं यातायात विभाग को सतर्क कर रहा था

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 02 दिसम्बर 2024 | 5

आखिर कब तक लकड़ी माफिया अपनी बिना नंबर प्लेट की ट्रैक्टरों से कोरिया की हरियाली को नेस्तनाबूत करने हरे वृक्षों का अवैध परिवहन करते रहेंगे ?

कि वह इन लकड़ी माफियाओं के ट्रैक्टरों पर कार्यवाही करे जो मौत बनकर सड़क पर घूम रहे हैं जो न तो नंबर प्लेट ही ट्रेक्टर में लगा कर उन्होंने रखा है और न ही वह क्षमता अनुसार लकड़ी का परिवहन करते हैं,उनकी गति भी ऐसी होती है जो देखकर ही भय समा जाता है सड़क पर लोगों के मन में। बताया जा रहा है कि लकड़ी माफियाओं की ही एक ट्रेक्टर सोमवार देर शाम पाण्डवपारा रोड पर गायत्री मंदिर के पास क्षमता से अधिक लकड़ी के साथ पहुंचा जिसमें लकड़ी ट्रेक्टर ट्रॉली के दोनों तरफ निकला हुआ था जो बाइक सवार युवकों को नजर नहीं आया और दोनों ट्रेक्टर और बोलेरा के बीच फंसकर जान गंवा बैठे।

पैनारी से कौडीमार हसदेव नदी में उच्च स्तरीय करोड़ों की लागत के पुल निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार

क्या करोड़ों रुपए की लागत का उच्च स्तरीय पुल बिना आर एम सी प्लांट (रेडी मिक्स कांक्रीट) के निर्माण किया जा सकता है

क्या अजक्स मशीन से बन रहे आर सी सी कांक्रीट से करोड़ों के लागत की पुल का निर्माण कार्य किया जा सकता है ?

बन रहे पुल का हो रहा घटिया एवं गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य

सेतु विभाग के द्वारा कराया जा रहा निर्माण कार्य

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पैनारी से कौडीमार व्हाया छोटे कलुआ से जाने वाले रास्ते पर ग्राम कौडीमार के हसदेव नदी में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया जा रहा है जिसमे जो निर्माण कार्य कि सामाग्री का उपयोग किया जा रहा है वो गुणवत्ता विहीन उपयोग किया जा रहा है 20 एम एम गिट्टी का उपयोग भी गुणवत्ता विहीन किया जा रहा है 20 एम एम की जगह पर 25 एवं 30 एम एम गिट्टी का धडल्ले से ठेकेदार के द्वारा उपयोग सीमेंट कंक्रीट के लिए किया जा रहा है इस निर्माणाधीन पुल की लागत का किसी प्रकार का कोई बोर्ड नहीं लगाया गया हैं करोड़ों रुपये की लागत के पुल का निर्माण कार्य बिना आर एम सी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट किया जा रहा है।

इस करोड़ों रुपये की लागत से निर्माण हो रहे पुल के लिए आर एम सी प्लांट से गिट्टी रेत सीमेंट पानी बराबर मात्रा में मिश्रित होकर मिक्सर वाहनों के द्वारा प्लांट से मिश्रित कंक्रीट से ढलाई किया जाना है मगर यहां पैनारी से कौडीमार व्हाया छोटे कलुआ मार्ग पर हसदेव नदी पर निर्मित करोड़ों रुपये की लागत के पुल का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य कराया जा रहा है जबकि ठेकेदार को बिना आर एम सी प्लांट के पुल का निर्माण कार्य नहीं किया जाना है मगर यहां पर ठेकेदार अजकस मशीन से बिना गिट्टी सीमेंट रेत पानी की बराबर मात्रा में मिश्रण कर तैयार कर उपयोग किया जा रहा है। इस करोड़ों रुपये के लागत के पुल की कितनी गुणवत्ता होगी ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

आर सी सी कंक्रीट निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट (रेडी मिक्स कांक्रीट) प्लांट लगाया जाता है जिससे सीमेंट गिट्टी रेता पानी आदि का मिश्रण एक बराबर मात्रा में कंक्रीट तैयार किया जाता है जिससे आर सी सी पुल निर्माण कार्य किया जाता है जो इस करोड़ों रुपए की लागत की पुल निर्माण कार्य में उसकी गुणवत्ता और मापदंडों पर सही रहता है मगर यहां पर आर एम सी प्लांट भी कहीं पर पुल निर्माण स्थल पर नहीं लगाया गया है और ठेकेदार के द्वारा उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य धड़ल्ले से सेतु निगम के अधिकारियों के संरक्षण में निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में निर्माण सामाग्री के मापदंड के कम मात्रा में सिमेंट और अन्य सामाग्री का उपयोग गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। जिस विषय पर सेतु निगम के एस डी ओ से बात करना चाहा तो उन्होंने ने फोन ही रिसिव नहीं किया गया । और सेतु निगम के अधिकारी कभी फोन उठाना मुनासिब भी नहीं समझते है। सेतु विभाग के अधिकारी और ठेकेदार के मिलीभगत से काम को गुणवत्ताहीन करवा कर पैसों का बंदरबांट किया जा रहा हैं?

विभागीय अधिकारी भी मौन

आपको बता दे की पैनारी से कौडीमार व्हाया छोटे कलुआ के हसदेव नदी में बन रही उच्च स्तरीय पुल में जिसे आर एम सी प्लांट से और जिस मापदंड की सामाग्री से पुल का निर्माण कार्य किया जाना है वो ठेकेदार के द्वारा नहीं किया जा रहा है उसके बावजूद भी विभागीय अधिकारी ना ध्यान दे रहे हैं और काम को सही तरीके से गुणवत्ता युक्त किया जा रहा हैं। इस विषय में जब हमने अधिकारी से जानना चाहा तो वो कभी फोन रिसीव नहीं करते। अब देखना यह लाजमी होगा कि खबर चलने के बाद विभागीय अधिकारी ठेकेदार के ऊपर क्या कार्यवाही करते हैं? क्षेत्र में पूर्व में हुए उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य के संबंध में सेतु निगम के पूर्व कार्य पालन अभियंता एस के महापात्रा से जानकारी ली गई थी तो उन्होंने बताया था कि बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। मगर अभी निर्माणधीन पुल महज अजक्स मशीन से निर्माण कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है। इस पुल निर्माण कार्य के अधिकारी एस डी ओ से मोबाइल पर संपर्क कर जानकारी लेनी चाही तो उन्होंने ने फोन ही नहीं उठाया।

चार साल पूर्व किए गए हत्या एवं बलात्कार मामले मे पांच दोषियों को मृत्युदंड एवं एक को आजीवन करवास की मिली सजा

-संवाददाता-
कोरबा,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में पहली बार किसी मामले में पांच दोषियों को मृत्युदंड और एक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है । जिस मामले मे यह कठोर निर्णय दिया गया यह सन 2021 में हुए बहुचर्चित पहाड़ी कोरवा परिवार हत्याकांड से सम्बंधित है जिस पर विशेष न्यायाधीश ममता भोजवानी ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जिसमे मुख्य आरोपी संतराम मंझवार समेत पांच दोषियों को फांसी और एक को उम्रकैद की सजा दी गई है। दरअसल 29 जनवरी 2021 को लेमरू थाना क्षेत्र के गढ़ गांव में पहाड़ी कोरवा समुदाय के एक परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या और एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया था। आरोपियों ने 16 वर्षीय लड़की के पिता, उसकी चार वर्षीय भतीजी और खुद उस

लड़की को जंगल में ले जाकर पत्थरों से कुचलकर मार डाला था । इससे पहले लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ था कि मुख्य आरोपी संतराम मंझवार, जो पीड़ित परिवार को अपने यहां काम पर रखता था, ने नाबालिग लड़की को जबरन अपनी दूसरी पत्नी बनाने का दबाव डाला था। परिवार द्वारा इसका विरोध करने पर संतराम ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। मृतक जकड़ी राम मुख्य आरोपी संतराम के घर में उसके मवेशी चराने का काम करता था. मृतक का परिवार भी उसके साथ ही रहता था. मृतक की 16 वर्षीय बेटी पर मुख्य आरोपी संतराम की बुरी नजर थी। इसी बात से नाराज होकर मृतक 29 जनवरी को सतरेंगा से अपने निवास स्थान बरपानी, थाना लेमरु जाने के लिए पैदल ही निकल पड़ा था. इसी दौरान शराब के नशे में संतराम सहित उसके 5 अन्य साथियों ने गढ़उपरोड़ा के जंगल के पहले लगभग 1 किलोमीटर रोड से नीचे खाई में जंगल की लकड़ी और पत्थरों से तीनों को मौत के घाट उतार दिया. हत्या से पहले 6 में से 2 लोगों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और उसे मरा हुआ समझकर पत्थरों के बीच दफना दिया। उक्त घटना की जानकारी मिलते ही तत्कालीन एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर ने अपनी टीम के साथ 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी समेत सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिसपर विशेष न्यायाधीश ममता भोजवानी ने मुख्य आरोपी सतरेंगा गांव के रहने वाले संतराम, अनिल, आनंद, परदेशी और जब्बार को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। वहीं एक आरोपी उमाशंकर यादव को आजीवन कारावास की सजा दी गई है। छत्तीसगढ़ के इतिहास का सभवतः पहला मामला है, जिसमें एक साथ पांच आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है।

जिला अस्पताल के सभाकक्ष में शिशु संरक्षण माह का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एस जयवर्धन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 कपिल देव पैकरा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ0 अजय मरकाम, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ0 हर्षवर्धन शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ0 प्रिंस जायसवाल, जिला टीकाकरण शाखा के अधिकारी / कर्मचारियों तथा शिशुवती माताओं व बच्चों की उपस्थिति में जिला अस्पताल के सभाकक्ष में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा 06 माह से 05 वर्ष के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की दवा पिलाकर किया गया जिले में शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम दिनांक 21 जनवरी से 21 फरवरी 2025 तक चलाया जाएगा इस कार्यक्रम में समस्त 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा आयरन की दवा पिलाई जाएगी एवं अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भेजकर पोषण आहार एवं व्यवहार की जानकारी दी जावेगी। अभियान के दौरान 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रातः 09 बजे से शांय 04 बजे तक प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार एवं शुक्रवार को सेवा प्रदाय की जावेगी, इस कार्यक्रम की निगरानी राज्य, जिला तथा विकास खण्ड स्तर से किया जावेगा ताकि एक भी बच्चा दवा पीने से छूटे नहीं। उपस्थित समारोह में कलेक्टर श्री एस0 जयवर्धन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि उक्त कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दें तथा इस कार्यक्रम को सफल बनावें।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की सात दिवसीय विशेष शिविर का किया जा रहा है आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सूरजपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुमरिया में किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन 15 जनवरी को महाविद्यालय के प्राचार्य श्री बृजलाल साहू के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, समस्त स्वयं सेविकाएं ,विद्यालय के शिक्षकगण ,विद्यार्थी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रत्येक दिवस पर इकाई द्वारा गांव में परियोजना कार्य के रूप में गांव की स्वच्छता हेतु, डिजिटल साक्षरता हेतु नुक्कड़ नाटक, नारा, श्रमदान आदि के द्वारा जागरूक किया जा रहा है।

इसी प्रकार बौद्धिक परिचर्चा सत्र में विभिन्न विभागों से अतिथियों का आगमन हो रहा है, जिसमें उनके द्वारा अपने विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर रहे हैं, जिनका लाभ शिविरार्थियों के साथ साथ ग्रामीणजन भी ले रहे हैं। आज जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज कुमार जायसवाल जी बौद्धिक परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा बाल संरक्षण अधिनियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान किए साथ ही शा. रेवती रमन मिश्र स्नात महाविद्यालय की डॉ रश्मि पांडेय सहायक प्राध्यापक(अर्थशास्त्र) और नवीन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य श्री बी. एल. साहू सर उपस्थित रहे एवं स्वयंसेविकाओं का उत्साहवर्धन किया गया। इस सत्र के दौरान शिविरार्थियों के साथ बड़ी संख्या में विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। सायंकाल में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं द्वारा डिजिटल साक्षरता, साइबर क्राइम, नशा मुक्ति, स्वच्छता आदि विषयों पर नाटक ,व्याख्यान आदि के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

क्या जिला पंचायत सीईओ कोरिया के जिले में रहते हुए उनके रिश्तेदार परिवार में से किसी का चुनाव लड़ना सही होगा?

जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार परिवार से चुनाव लड़ने की बात आ रही है सामने... कौन लड़ेगा यह तय नहीं है पर जिला व जनपद लड़ सकता है रिश्तेदार परिवार

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए सबसे बड़े अधिकारी हैं जिला पंचायत सीईओ पर ऐसे में क्या उनके रिश्तेदार परिवार के लिए चुनाव लड़ना सही?

कहीं रिश्तेदार परिवार के चुनाव लड़ने से जिला पंचायत सीईओ होंगे आलोचनाओं के शिकार?

-आजाद कलम-
बैकुण्ठपुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश में आदेश आचार संहिता की घोषणा हो चुकी है और अब राजनीतिक दल अपने अपने प्रत्याशियों का चयन करने में मशगूल हैं वहीं प्रत्याशी भी अपनी अपनी उम्मीदवारी दावेदारी पार्टी के सामने रखकर टिकट की फिराक में हैं समर्थन के फिराक में हैं जिससे उन्हें चुनाव में जीत मिल सके सफलता मिल सके। कोरिया जिले में भी चुनावी सरगर्मी बढ़ी नजर आने लगी है। कोरिया जिले में नगरीय निकाय का चुनाव केवल एक नगरीय निकाय में है जो नया नया नगर पंचायत बना है वहीं त्रिस्तरीय

पंचायत चुनाव की बात करें तो जिले में इसबार कुछ वृहद परिवर्तन उपरांत त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होते नजर आयेंगे जिसमें जिला विभाजन उपरांत हुआ नया परिसीमन लोगों और प्रत्याशियों के लिए एक नया अनुभव और नयापन लेकर सामने आएगा।

बता दें कि पहले पांच विकासखंड का कोरिया जिला अब कुल दो विकासखंड का जिला है और इस तरह जिला पंचायत सदस्य की सीटों का निर्धारण पहले की अपेक्षा कम ग्राम पंचायतों के साथ किया गया है वहीं जनपद पंचायत के विषय में बैकुंठपुर विकासखंड की बात की जाए तो यहां क्षेत्र में ग्रामों की वृद्धि नजर आएगी। वैसे परिसीमन और सीटों के निर्धारण का अपना मामला है मसला है और सभी प्रत्याशी जो अभी दावेदार हैं वह उसके हिसाब से तैयार हैं लेकिन एक विशेष बात इसबार कोरिया जिले के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सुनी जा रही है जो एक ऐसे परिवार के चुनाव लड़ने के संबंध में है जिनका संबंध जिला पंचायत कोरिया के सीईओ से है जिनके रिश्तेदार हैं जिला पंचायत सीईओ। बताया जा रहा है सूत्रों का कहना है कि जिला पंचायत कोरिया के सीईओ के रिश्तेदार जिला पंचायत और जनपद पंचायत का चुनाव लड़ने की फिराक में हैं और उनकी तैयारी है।

वहीं सीईओ जिला पंचायत के रिश्तेदार राजनीतिक दल के समर्थन में यह चुनाव लड़ने जाने की तैयारी में हैं,वहीं सूत्रों का यह भी कहना है कि जिन सीटों पर जिला पंचायत के सीईओ के रिश्तेदार चुनाव लड़ने जा रहे हैं उनके आरक्षण के लिए भी उन्हें जिला पंचायत के सीईओ का मदद मिला है। वैसे बात कितनी सच है कितनी झूठ इसकी पुष्टि घटती घटना नहीं करता, लेकिन यह सवाल तो खड़ा होता है कि जिला पंचायत के सीईओ कोरिया के जिले में पदस्थ रहते हुए यदि उनका कोई रिश्तेदार जिला जनपद सदस्य का चुनाव लड़ता है? तो यह आदर्श आचार संहिता के हिसाब से कितना सही होगा? वैसे जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार जिस ग्राम से आते हैं वहां ग्राम पंचायत का चुनाव निर्विरोध पद्धति से होता है और वहां अन्य चुनाव में मतदान कर लोग अपना प्रतिनिधि चुनते हैं।

जिला पंचायत सीईओ कोरिया का तबादला चुनाव तिथि घोषणा पूर्व क्यों नहीं हुआ

इस बार वहां सबकुछ तो पहले जैसे ही होगा और पंचायत का चुनाव निर्विरोध पद्धति से ही होगा वही नया यह होगा कि वहां से जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार चुनाव लड़ेंगे और यह पहली बार होगा जब कोई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पंचायत से बाहर के पद के लिए चुनाव लड़ेगा जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार परिवार से। वैसे जिला पंचायत सीईओ का पद और उनकी निर्वाचन के दौरान निष्पक्षता की जिम्मेदारी शायद रिश्तेदारों के चुनाव लड़ने की वजह से संदेह की नजरों से देखी जाएगी क्योंकि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में वह एक तरह से मुख्य भूमिका में होगें निष्पक्ष चुनाव के संदर्भ में और यदि उनके ही रिश्तेदार चुनावी मैदान में होंगे कैसे वह निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराएंगे? यह विचारणीय जरूर होगा। वैसे माना जा रहा था कि जिला पंचायत सीईओ कोरिया का तबादला चुनाव तिथि घोषणा पूर्व हो जाएगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादला सूची में उनका नाम नहीं नजर आया। वैसे प्रश्न यह भी है कि उनका तबादला न हो ऐसा प्रयास भी हुआ है। अब सच्चाई जो हो, लेकिन जिला पंचायत सीईओ कोरिया के जिले में रहते हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का निष्पक्ष होना सम्भव नहीं है।

जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार का त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव लड़ना तय, कैसे होगा निष्पक्ष पंचायत चुनाव?

कोरिया जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव निष्पक्ष कैसे होगा यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जिला पंचायत कोरिया के सीईओ के रिश्तेदार ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। रिश्तेदार के चुनाव लड़ने की घोषणा उपरांत जिला पंचायत सीईओ को खुद चुनाव कार्य से पृथक कर लेना चाहिए यह लोगों का कहना है जानकारों का कहना है और अब देखना है कि उनका क्या निर्णय होने वाला है।

जिला पंचायत सीईओ चुनाव कार्य के लिए होंगे प्रमुख अधिकारी,रिश्तेदार का चुनाव लड़ना उनके लिए पड़ सकता है भारी

जिला पंचायत सीईओ कोरिया त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए प्रमुख अधिकारी होंगे यह तय हो चुका है। उन्हें काफी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है चुनाव में यह चुनाव हेतु किए कार्य विभाजन से जाना जा सकता है। अब यदि सीईओ साहब के रिश्तेदार ही चुनाव लड़ने मैदान में उतरेंगे कैसे इसे सही कहा जाएगा समझा सकता है। वैसे हो सकता है जिला पंचायत सीईओ को मामला भारी पड़ जाए और उन्हें पृथक कर दिया जाए कार्य से चुनाव के। वैसे माना जा रहा है उन्हें उनके रिश्तेदार के चुनाव लड़ने की स्थिति में हटाया ही जाएगा।

राज्य प्रशासनिक अधिकारियों का हुआ है हाल में ही तबादला, कोरिया जिला पंचायत सीईओ का तबादला न होना बड़ा प्रश्न

हाल ही में राज्य प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला हुआ है और कोरिया जिले से भी अधिकारी हटाए गए हैं। अब कोरिया जिले के जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार राजनीतिक दल से जुड़े है और उनके चुनाव लड़ने की संभावना पहले से थी तो क्यों नहीं उन्हें भी हटाया गया यह भी सवाल है। वैसे जिला पंचायत सीईओ कोरिया को नहीं हटाया जाना एक सोची समझी रणनीति भी मानी जा रही है जिससे चुनाव में उनका लाभ लिया जा सके।

क्या निर्वाचन आयोग लेगा संज्ञान,क्या चुनाव कार्य से पृथक होंगे जिला पंचायत सीईओ?

अब देखना है कि क्या निर्वाचन आयोग इस मामले में संज्ञान लेगा क्या सीईओ जिला पंचायत कोरिया को चुनाव कार्य से पृथक करेगा। वैसे उनके रिश्तेदार के चुनाव लड़ने की स्थिति में यह आवश्यक है कि उन्हें हटाया जाए चुनाव कार्य से भी और जिले से भी जिससे निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके।

जिला पंचायत सीईओ की वजह से ही रिश्तेदार बनने जा रहे हैं प्रत्याशी:सूत्र

सूत्रों का कहना है कि जिला पंचायत सीईओ के रिश्तेदार सीईओ जिला पंचायत के कारण उनके जिले में पदस्थ होने के कारण ही चुनावी मैदान में होंगे।अब इस बात में कितनी सच्चाई है यह तो कहना मुश्किल है लेकिन कुछ मामलों में यह सही भी समझ में आ रहा है।

सचिन मोटर के द्वारा यातायात पुलिस की उपस्थिति में निःशुल्क किया हेलमेट का वितरण

जो बिना हेलमेट के चल रहे हैं वह रोड पर सुरक्षित नहीं हैं:संतोष महतो

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार, राज्य सरकार के मंसानुरूप पूरे प्रदेश में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है, ताकि सड़क दुर्घटना को काम किया जा सके और लोगों को सड़क दुर्घटना से बचने के लिए जागरूक किया जा सके, सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए सूरजपुर जिले में स्थित सचिन मोटर के संचालक सचिन प्रताप सिंह के द्वारा यातायात पुलिस, परिवहन अधिकारी अनिल भगत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के दिशा निर्देश पर निशुल्क हेलमेट का वितरण किया गया।

जो बिना हेलमेट के चल रहे हैं वह रोड पर सुरक्षित नहीं हैं: संतोष महतो

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के द्वारा सचिन मोटर के संचालक के इस कार्य की सराहना की गई और कहा कि जो लोग बिना हेलमेट के चल रहे हैं वह रोड पर सुरक्षित नहीं है, इसीलिए सुरक्षा की दृष्टि से बाइक चालकों को हमेशा ही हेलमेट लगाकर वाहन चलाएं, सचिन मोटर संचालक ने जिन मोटरसाइकिल चालकों का हेलमेट पहनाया है जो बिना हेलमेट के चल रहे थे उन्हें जागरूक होने की जरूरत है। यातायात के नियम भी लोगों को जानने चाहिए, सभी के पास स्मार्टफोन है वह चाहे तो घर पर ही गूगल में जाकर इस नियम को अच्छे से पढ़ व समझ सकते हैं, ताकि दुर्घटना की संभावनाओं को काम किया जा सके, हमारे द्वारा सूरजपुर थाने के सामने सेल्फी जॉन भी लगाया गया है हेलमेट पहनकर बाइक चलाने वाले वह सेफ्टी बेल्ट लगाकर कर चलने वाले सभी यहां पर जागरूकता के तहत सेल्फी जोन में फोटो खिंचवाकर लोगों को संदेश देते हैं कि हेलमेट लगाकर ही गाड़ी चलाएं और कार सेफ्टी बेल्ट लगाकर चलाएं।

हेलमेट के साथ सूचनात्मक चिन्ह व चेतावनी के संदेश भी वाहन चलाने वाले को दिया गया- निशुल्क हेलमेट के साथ एक पन्ने का चेतावनी व सूचना आत्मक चिन्ह प्रेषित किया गया ताकि उसका अध्ययन कर लोग सड़क पर सुरक्षा के साथ चले, अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन,हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता,दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना,वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना,प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना,वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग,गुड समेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने के सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने दिए निर्देश

स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए पुलिस अधिकारी व जवानों को सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने दिए निर्देश,अंतरजिला व अंतर्राज्यीय सीमा पर कड़ी चौकसी के निर्देश

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,21 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सोमवार,20 जनवरी 2025 को डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 को निर्भीक एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने,सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने थाना-चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। उन्होंने इसका कड़ाई से पालन करने कहा। उन्होंने आयोग के दिशा-निर्देशानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी पुलिस अधिकारी-कर्मचारी को सौंपे गए दायित्वों को जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए।

डीआईजी व एसएसपी ठाकुर ने कहा कि सभी थाना-चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केन्द्र का भ्रमण करें। आपराधिक किस्म के व्यक्तियों के विरूद्ध जिला बदर की कार्यवाही, निगरानी व गुण्डा हिस्ट्रीशीट खोलने हेतु रिकार्ड छांटकर भेजने के निर्देश दिए। चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए बाउण्ड ओव्हर की कार्यवाही सुनिश्चित कराने, सूरजपुर जिला अंतरजिला व अंतर्राज्यीय सीमा से लगा हुआ है। जहां से अवैध गतिविधियां की संभावना को देखते हुए यहां 24 घंटे कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

ज्वेरेव ने बेकर को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को टॉमी पॉल के विरुद्ध नाटकीय 7-6(1), 7-6(0), 2-6, 6-1 की जीत के साथ अपने तीसरे ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया।एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 ने पहले दो सेटों में से प्रत्येक में एक सेट पॉइंट बचाया और रॉड लेवर एरिना में पॉल के दोनों सेटों को सर्व करने के प्रयास को विफल कर दिया।अमेरिकी खिलाड़ी द्वारा तीसरे सेट में फिर से वापसी करने के बाद, ज्वेरेव ने अपने शुरुआती बचावों को चौथे सेट में प्रभावशाली तरीके से भुनाया। अपने नौवें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद, जर्मन खिलाड़ी को कार्लोस अल्काराज़ और नोवाक जोकोविच के बीच शाम को होने वाले मुकाबले के विजेता का इंतजार है। दोनों पुरुष सेमीफाइनल शुक्रवार को खेले जाएंगे, जिससे ज्वेरेव और उनके प्रतिद्वंद्वी दोनों को दो दिन का आराम मिलेगा। ज्वेरेव ने पॉल के साथ तीन लेक्सस एटीपी हेड2हेड मुकाबलों में अपनी पहली जीत हासिल की, क्योंकि उन्होंने महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दबदबा बनाया। शुरुआती दो सेटों में पॉल द्वारा की गई असामयिक गलतियों का फ़ायदा उठाते हुए, ज्वेरेव ने अपने दूसरे मौके का पूरा फ़ायदा उठाया।

पहले टी 20 आई की प्लेइंग-11 का हो गया ऐलान

4 पेसर्स को मिला मौका

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20आई सीरीज का आज यानी 22 जनवरी से आगाज होने जा रहा है। इस सीरीज में कुल 5 टी20आई मैच खेले जाएंगे। पहला मैच कोलकाता में होगा जिसके लिए प्लेइंग इलेवन का ऐलान हो गया। मेहमान इंग्लिश टीम ने भारत के खिलाफ पहले टी20आई मैच के लिए अपनी धाकड़ प्लेइंग-11 का खुलासा कर दिया है। इंग्लैंड क्रिकेट ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्लेइंग-11 जारी की। इंग्लैंड ने कोलकाता की पिच को ध्यान में रखते हुए 4 तेज गेंदबाजों को अपनी प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है।

कप्तान जोस बटलर की जगह फिल सॉल्ट को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पहले ही बता दिया था कि कोलकाता में खेले जाने वाले पहले टी20आई मैच में बटलर विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। प्लेइंग-11 के सामने आने के बाद ये साफ हो गया कि बटलर की जगह फिल सॉल्ट विकेटकीपिंग की भूमिका में नजर आएंगे।

कप्तान जोस बटलर नहीं करेंगे ओपनिंग

फिल साल्ट विकेटकीपिंग के अलावा बेन डकेट के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे। वहीं, कप्तान जोस बटलर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। गस एटकिन्सन और जेमी ओवरटन के अलावा तेज गेंदबाज जोफा आर्चर और मार्क वुड को भी प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। लियाम लिविंगस्टोन के रुप में धाकड़ ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में मौका दिया गया है।

भारत के खिलाफ पहले टी20आई के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11 इस प्रकार है: बेन डकेट, फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक (उपकप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, गस एटकिन्सन, जोफा आर्चर, मार्क वुड।

दोनों टीमों का स्क्वायॅड

भारत के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए इंग्लैंड का स्क्वॉडः जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक (उपकप्तान), ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

टी20आई सीरीज के लिए भारत का स्क्वॉडः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

डेब्यू मैच में हैट्रिक लेकर मचाया तहलका

» 5 रन देकर झटके 5 विकेट

» भारत ने महज 2.5 ओवर में जीता मैच

नई दिल्ली,21 जनवरी 2025। हर युवा क्रिकेटर इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने का सपना देखता है और अगर यह सपना सच हो जाता है तो उस युवा खिलाड़ी की कोशिश अपने डेब्यू को यादगार बनाने की होती है। ऐसा ही कुछ हुआ है भारत की युवा गेंदबाज वैष्णवी शर्मा के साथ, जिन्होंने आईसीसी यू19 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने के साथ ही इतिहास रच दिया। 19 साल की वैष्णवी शर्मा को मलेशिया के खिलाफ मैच में टीम इंडिया की ओर से डेब्यू करने का मौका मिला। इस मौके को भुनाते हुए वैष्णवी शर्मा ने अपने डेब्यू मैच में ही हैट्रिक लेकर सनसनी मचा दी है। उन्होंने महज 5 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। इस तरह मलेशिया की पूरी टीम 14.3 ओवरों में महज 31 रनों पर ढेर हो गई। इसके जवाब में टीम इंडिया ने महज 2.5 ओवरों में 32 रनों का लक्ष्य हासिल करते हुए टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने वाली टीम इंडिया ने मलेशिया के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने का मौका ही नहीं दिया। मलेशिया के 11 में से 4 बल्लेबाज अपना खाता भी नही खोल पाए।

बाकी बचे 7 बल्लेबाज भी सिर्फ सिंगल डिजिट में स्कोर बनाकर आउट हो गए। 5 रन टीम के बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। मलेशिया की सलामी बल्लेबाज नूर अलिया हेयरुन और हुस्ना ने 5-5 रन बनाए। भारत की ओर से वैष्णवी शर्मा ने कमाल की गेंदबाजी की और महज 4 ओवर में 5 रन देकर आधी टीम को आउट करने का बड़ा कारनामा किया। इस दौरान उन्होंने एक मेडन ओवर भी फेंका। वैष्णवी शर्मा का ये गेंदबाजी प्रदर्शन आईसीसी यू19 वर्ल्ड कप का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी परफॉर्मेंस है।

वैष्णवी शर्मा के अलावा आयुषी शुक्ला ने 3 बल्लेबाजों का शिकार किया जबकि जोशीता वी जे को एक सफलता मिली। भारत के लिए बल्लेबाजी में गोंगाडी त्रिशा और जी कमलिनी की सलामी जोड़ी ने बिना कोई विकेट खोए अपनी टीम को 3 ओवर के भीतर लक्ष्य तक पहुंचाया। गोंगाडी त्रिशा ने 12 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 27 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वहीं, कमलिनी ने 4 रन बनाए और नाबाद लौटी।

युजवेंद्र चहल का महाकीर्तिमान टूटने की कगार पर

» ये खिलाड़ी रचेगा नया इतिहास

नईदिल्ली,21 जनवरी 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच जब 22 जनवरी को पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा तो चर्चा में युजवेंद्र चहल भी होंगे। युजवेंद्र चहल इस सीरीज का हिस्सा नहीं है, लेकिन उनका बनाया हुआ एक महारिकॉर्ड ध्वस्त होने की कगार पर है। उम्मीद है कि पहले ही मैच में ये टूट जाएगा। ये रिकॉर्ड कोई और नहीं, बल्कि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तोड़ सकते हैं, जो उनके सबसे करीब खड़े नजर आ रहे हैं।

टी 20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं चहल

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का काम युजवेंद्र चहल ने किया है। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 96 विकेट अपने नाम किए हैं। हालांकि पिछले लंबे वक्त से उन्हें भुला दिया गया है और अब वे टीम के साथ नहीं हैं। अगर वे खेलते रहते तो शायद

भारत के लिए 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन सकते थे। लेकिन अब उनका रिकॉर्ड अर्शदीप सिंह तोड़ देंगे।

अर्शदीप को रिकॉर्ड तोड़ने के लिए चाहिए केवल 2 और विकेट

अर्शदीप सिंह ने अब तक भारत के लिए 60 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और इस दौरान वे 95 विकेट ले चुके हैं। यानी अर्शदीप एक विकेट लेते ही चहल की बराबरी कर लेंगे और जैसे ही उनके खाते में दो विकेट आएंगे, वे पहले नंबर पर पहुंच जाएंगे। इसके बाद उनके निशाने पर 100 विकेट भी होंगे।

अर्शदीप 100 विकेट भी पूरे कर सकते हैं

भारत और इंग्लैंड के बीच की ये सीरीज पांच मैचों की है और उम्मीद की जा रही है कि अर्शदीप सिंह सारे मैच खेलेंगे। यानी उनके पास ना केवल युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है, बल्कि वे 100 विकेट भी बड़ी आसानी से पूरे कर सकते हैं।

हार्दिक पांड्या कर सकते हैं जसप्रीत बुमराह को पीछे

इस बीच हार्दिक पांड्या के पास मौका होगा कि वे जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ें, क्योंकि दोनों के विकेट टी20 इंटरनेशनल में इस वक्त बराबर हैं। जहां एक ओर जसप्रीत बुमराह ने केवल 70 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 89 विकेट लिए हैं, वहीं हार्दिक पांड्या को 89 विकेट लेने के लिए 109 मैच लगे हैं। एक और विकेट लेते ही हार्दिक जसप्रीत बुमराह से आगे निकल जाएंगे। बुमराह इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं और हार्दिक पांड्या खेलते हुए दिखाई देंगे। इसलिए उनके पास शानदार मौका होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई ने पाक को दिया एक और बड़ा झटका

नईदिल्ली,21 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक आयोजक पाकिस्तान है. इस मेगा इवेंट की शुरुआत 19 फरवरी से शुरु हो रही है. टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कई तरह की मुश्किलों का सामना कर रहा है. इसी बीच बीसीसीआई ने एक ऐसा कदम उठाया जो पीसीबी की मुश्किल को तो बढ़ाएगी ही उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचाएगा.

आईसीसी के टूर्नामेंट की मेजबानी जिस भी सदस्य देश को मिलती है उसका नाम टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों के खिलाड़ियों की जर्सी पर लिखा होता है. रिपोर्टों के मुताबिक बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया की जर्सी पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड प्रिंट कराने से इनकार कर दिया है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के इस फैसले से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है. ये उसके सम्मान पर आंच की तरह है.

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का नाम टीम इंडिया की जर्सी पर लिखने से इनकार के बाद पीसीबी के एक अधिकारी ने से बातचीत में बीसीसीआई पर क्रिकेट में राजनीति को लाने का आरोप लगाया है.

आईसीसी ओडीआई रैंकिंग में स्मृति मंधाना को फायदा

नईदिल्ली,21 जनवरी 2025। आईसीसी ने महिला बल्लेबाजों की नई वनडे रैंकिंग जारी कर दी है। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जिसका फायदा उनको आईसीसी रैंकिंग में मिला है। मंधाना आईसीसी महिला बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग की टॉप-10 में शामिल इकलौती भारतीय हैं। मंधाना बेहतरीन बल्लेबाजी करने के लिए जानी जाती हैं और वह वनडे क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाली प्लेयर हैं।

दूसरे पायदान पर पहुंचीं स्मृति मंधाना

स्मृति मंधाना महिला बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 135 रन बनाने से पहले शुरुआती दो मैचों में 41 और 73 रन की उपयोगी पारियां खेली थीं और अपने

दम पर टीम को जीत दिलाई थी। इस 28 साल की खिलाड़ी के नाम 738 रेटिंग अंक है। रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट (773 रेटिंग अंक) टॉप पर हैं। श्रीलंका की दिग्गज खिलाड़ी चमारी अटापट्टू (733 रेटिंग अंक) तीसरे स्थान पर हैं।

हरमप्रीत कौर को हुआ नुकसान

आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में अपना पहला शतक लगाने वाली जेमिमा रोड्रिगेज दो स्थान के सुधार के साथ 17वें स्थान पर हैं। उनके इस समय 562 रेटिंक अंक हैं। जबकि चोटिल होने की वजह से सीरीज से बाहर रहने वाली भारतीय टीम की नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर 15वें स्थान पर हैं। उनके 604 रेटिंग अंक हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। भारत के लिए महिला बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में टॉप-20 में सिर्फ तीन खिलाड़ी ही शामिल हैं। इनमें स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज और हरमनप्रीत कौर शामिल हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में छठे नंबर पर हैं दीप्ति शर्मा

दीप्ति शर्मा 344 रेटिंग अंकों के साथ ऑलराउंडर्स खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज मारिजेन कैप को हटाकर ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर इस में टॉप पर पहुंच गई हैं। गार्डनर ने एशेज सीरीज के वनडे मैचों में चार विकेट चटकाने के साथ 146 रन भी बनाए थे। गार्डनर करियर के सर्वश्रेष्ठ 469 रेटिंग अंक लेकर कैप से 25 रेटिंग अंक आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ होबार्ट में 102 रन की पारी के बाद वह बल्लेबाजों की सूची में भी करियर के सर्वश्रेष्ठ 648 रेटिंग अंक के साथ टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रही।

मोहम्मद शमी कमबैक के लिए तैयार

नईदिल्ली,21 जनवरी 2025। आखिर वो वक्त अब करीब आ रहा है, जब मोहम्मद शमी इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करते हुए दिखाई देंगे। मोहम्मद शमी ने साल 2023 के वनडे विश्व कप के बाद से लेकर अब तक कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। हालांकि वे डोमेस्टिक क्रिकेट में अपनी फिटनेस को लगातार साबित करते रहे हैं। उन्हें ना केवल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए चुना गया है, बल्कि वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की टीम इंडिया का भी हिस्सा हैं। इस बीच टी 20 इंटरनेशनल में वापसी करते ही मोहम्मद शमी के पास मौका होगा वे अपने कुछ और साथियों को पीछे कर दें, इसके लिए उन्हें कुछ ही विकेट की दरकार होगी। दो साल से भी ज्यादा वक्त के बाद वे टी20 इंटरनेशनल में खेलते हुए दिखाई देंगे। चुंकि वे अभी अभी चोट से उबरकर आ रहे हैं, इसलिए उन्हें सभी 5 मैचों में मौका दिया जा सकता है, ताकि वे अपनी रिदम को वापस हासिल कर सकें।

मोहम्मद शमी अब जल्द ही हरभजन सिंह, आवेश खान और यहां तक कि इरफान पठान को भी पीछे करने की ओर बढ़ रहे हैं। हरभजन सिंह ने 28 टी 20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 25 मुकाबले खेले हैं, वहीं आवेश खान के 25 मैचों में 27 विकेट हैं। इरफान पठान ने भी 24 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 28 विकेट लिए हैं। यानी अगर यहां से शमी अगर पांच और विकेट ले लेते हैं तो वे इन सभी को पीछे कर देंगे। उन्हें पांच मैचों में मौका मिला तो शमी के लिए ये कोई मुश्किल काम नहीं है।

कन्नप्पा से अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक आउट

हाथ में त्रिशूल-माथे पर भस्म-नीलकंठ महादेव के रुद्र अवतार में नजर आए खिलाड़ी

साउथ फिल्म कन्नप्पा का एलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं आज कुछ ही देर पहले अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। इस लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।इन दिनों अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज फिल्म निर्माताओं ने साउथ फिल्म कन्नप्पा से अक्षय कुमार के लुक का एक पोस्टर जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि अक्षय कुमार फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे।कन्नप्पा मूवी से अक्षय कुमार का फुल लुक सामने आ चुका है। वह कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म ओ माय गॉड में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं।अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय।मोहन बाबू निर्मित कन्नप्पा में लीड रोल में विष्णु मांचू निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छावा से सामने आईं विक्की कौशल की नई झलकियां

विक्की कौशल की मोस्ट अवेटेड फिल्म छावा 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के धांसू टीजर ने पहले ही फैंस के बीच फिल्म को देखने की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है और तभी से दर्शक इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि आखिर ये कब तक रिलीज होगा। लेकिन विक्की कौशल ने दर्शकों का इंतजार खत्म करते हुए इसका जवाब दे दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। विक्की ने फिल्म से शानदार मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए इसके ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस की है। विक्की कौशल ने अपनी फिल्म छावा का मोशन पोस्टर रिलीज किया है. शंभाजी महाराज के रूप में विक्की का लुक कमाल का लग रहा है। धांसू म्यूजिक बैकग्राउंड, खतरनाक लुक और तगड़े वीएफएक्स से सजे इस मोशन पोस्टर को देखकर विक्की कौशल की फिल्म देखने की उत्सुकता और बढ़ जाती है। विक्की कौशल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छावा का नया पोस्टर और धांसू मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए इसके ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस की. विक्की ने कैप्शन लिखा, अग्नि भी वो, पानी भी वो, तूफान भी हो, शेर शिवा का छावा भी हो। छावा का ट्रेलर 22 जनवरी को रिलीज होने जा रहा है। छावा 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी.छावा के टीजर को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था. टीजर की शुरुआत एक रणभूमि से होती है। बैक ग्राउंड में एक दमदार डायलॉग के साथ छत्रपति संभाजी महाराज के रूप में विक्की कौशल की एंट्री होती है, जो दुश्मनों से युद्ध करते हुए नजर आते हैं। विक्की कौशल को इस अवतार में दर्शकों ने खूब पसंद किया और अब दर्शक उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.छावा एक ऐतिहासिक ड्रामा है। छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है।लक्ष्मण उटेकर के निर्देशन में बनी फिल्म छावा में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज के रोल में होंगे। रश्मिका मंदाना फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज की पत्नी येशुबाई भोंसले के रोल में होंगी। फिल्म में आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और अक्षय खन्ना अहम रोल में नजर आएंगे।

स्वीट ड्रीम्स में महात्वाकांक्षी है मेरा किरदार : मिथिला पालकर

अपकमिंग फिल्म स्वीट ड्रीम्स' का ट्रेलर आउट हो चुका है। रिलीज को लेकर उत्साहित अभिनेत्री मिथिला पालकर ने अपने किरदार दीया के बारे में प्रशंसकों को बताया कि वह महत्वाकांक्षी है और सामान्य जीवन से कुछ अधिक पाने की चाह रखती है।विक्टर मुखर्जी के निर्देशन में तैयार स्वीट ड्रीम्स' सपनों की दुनिया से जुड़े दो अजनबियों की कहानी है।फिल्म के बारे में बात करते हुए मिथिला पालकर ने कहा, दीया की कहानी ऐसी है जिसे कई लोग आसानी से खुद के साथ जोड़ पाएंगे। वह थोड़ा उलझनों में रहती है और महत्वाकांक्षी है। वह कुछ पाने की चाह रखती है। केनी के साथ उसके सपने केवल रोमांस की वजह से नहीं जुड़े हैं।उन्होंने कहा, मेरे लिए इस फिल्म की शूटिंग एक भावनात्मक सफर की तरह थी और मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों को उस जादू की झलक देगा जिसे हमने बनाने की कोशिश की है। विक्टर सर की दूरदर्शिता और अमोल जैसे शानदार सह-कलाकार के बिना यह संभव नहीं हो सकता था। डिज्नी प्लस हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म के साथ हमें उम्मीद है कि हम अपनी फिल्म की मदद से काफी आगे बढ़ने में सफल होंगे।फिल्म में अमोल पाराशर, मेयांग चांग और सौरसेनी मैत्रा भी अहम रोल में हैं। मुकुंद सूर्यवंशी, शुभम शिरुले, देव अरिजीत और आकाशदीप सेनगुप्ता की प्रतिभाशाली टीम द्वारा तैयार फिल्म का साउंडट्रैक, मनमौजी और आनंद से भरा है।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अमोल पाराशर ने कहा, केनी एक ऐसा किरदार है जो अपने अतीत और मार्मिक संबंध की संभावना के बीच फंसा हुआ है।

लाल आतंक पर सरकार का करारा प्रहार

गरियाबंद मुठभेड़ में हुए 27 नक्सली ढेर

- छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में मुठभेड़,एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम ढेर
- कुल्हाड़ी घाट जंगल में सोमवार से जारी है मुठभेड़
- कई सीनियर नक्सली कैडर ढेर, शिनाख्त जारी
- अत्याधुनिक हथियारों सहित नक्सली सामग्री मिली

गरियाबंद,21 जनवरी 2025(ए)। ओडिशा सीमा पर स्थित गरियाबंद जिले में चल रही मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपति सहित अब तक 27 नक्सली ढेर हो गए है। मुठभेड़ अभी जारी है। इसमें छत्तीसगढ़ का जवान धर्मेंद्र भोई व ओडिशा का जवान डमरू घायल हुए हैं।

रायपुर के नारायणा अस्पताल में भर्ती जवानों की हालत स्थिर है। मूलतः आंध्रप्रदेश का निवासी 60 वर्षीय जयराम केंद्रीय कमेटी का मेंबर व ओडिशा राज्य कमेटी का प्रभारी था। बता दें कि 16 जनवरी को छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे गए थे। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में सोमवार को हुई मुठभेड़ में 20 नक्सली मारे गए हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है और माना जा रहा है कि अभी और शव मिल सकते हैं। वहीं, नक्सली अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी कर रहे हैं। 60 से अधिक नक्सलियों के घेरे जाने की खबर है।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के 1000 से अधिक जवान अभियान में जुटे हैं। सोमवार शाम को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ मैनपुर थाना क्षेत्र में कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान नक्सलियों के शव मिले। कुछ की पहचान होना बाकी है।

मारे गए नक्सलियों में ओडिशा प्रमुख भी शामिल

मारे गए नक्सलियों में सेंट्रल कमेटी का सदस्य मनोज और स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य गुड्डू भी शामिल हैं। मनोज ओडिशा राज्य प्रमुख भी था।

इसी तरह 1 करोड़ का इनामी नक्सली केंद्रीय कमेटी मेंबर जयराम उर्फ चलपती भी मारा गया है। मरने वालों में महिला नक्सली भी शामिल हैं। अन्य नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

नक्सलियों के पास से एसएलआर राइफल और ऑटोमेटिक हथियार बरामद हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

सोमवार की मुठभेड़ के बाद सर्च ऑपरेशन के लिए 30,कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 एवं 211 बटालियन, एसओजी नुआपाड़ा की संयुक्त पार्टी रवाना हुई थी।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमाओं पर ऑपरेशन

सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमाओं पर संयुक्त ऑपरेशन के तहत यह कार्रवाई की है। इसमें 10 टीमों ने भाग लिया है।सोमवार सुबह आठ बजे से शुरू हुए ऑपरेशन में तीन टीम ओडिशा पुलिस, दो टीम छत्तीसगढ़ पुलिस और पांच सीआरपीएफ की शामिल थीं। दोपहर साढ़े तीन बजे के आसपास कोबरा बटालियन और एसओजी टीमों के साथ नक्सलियों का फिर से सामना हुआ। इस दौरान जोरदार गोलीबारी हुई। ऑपरेशन देर शाम तक चलता रहा। ड्रोन की मदद से नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी, जिससे सुरक्षा बलों को उनके मूवमेंट का अनुमान लगाने में मदद मिली।

पहले दिन मारे गए थे 2 नक्सली, घायल जवान को किया गया था एयरलिफ्ट

इससे पहले सोमवार तक सूचना थी कि गरियाबंद जिले में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया था। उसे गंभीर हालत में रायपुर एयरलिफ्ट किया गया था।

नारायणा अस्पताल में भर्ती जवान की हालत स्थिर है। मुठभेड़ मैनपुर थाना क्षेत्र में कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में हुई थी। सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच सुबह से रुक-रुककर फायरिंग जारी थी। मौके से तीन आईईडी और एक स्वचालित राइफल बरामद की गई थी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

बेटे की शादी में सांसद बृजमोहन अग्रवाल नाचे

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल के छोटे बेटे आदित्य अग्रवाल की आज शादी है. शादी से पहले आयोजित संगीत कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल अपनी पत्नी सरिता के साथ झूमकर नाचे।. बृजमोहन अग्रवाल अपने जीवंत सम्पर्कों के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं।

बीजेपी ने निकाय चुनाव को देखते 23 सदस्यों की घोषणा पत्र समिति बनाई

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने 23 सदस्यीय घोषणा पत्र समिति बनाई है। इस समिति के संयोजक पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, सह संयोजक विधायक सुनील सोनी को बनाए गए हैं। वहीं भाजपा ने नैरेटीव एवं कंटेंट टीम का भी गठन किया है, जिसके संयोजक पंकज झा को बनाए गए हैं।

निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों के नाम का ऐलान जल्द

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। निकाय और पंचायत चुनाव के लिए टिकट पाने कांग्रेस के दावेदारों को कुल नौ सदस्यों को खुश करना होगा या उनकी नजर में चढ़ना होगा। पीसीसी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर नौ सदस्यीय समिति गठन के निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी अध्यक्ष जिला/शहर कांग्रेस कमेटी को पत्र भेजकर आज ही गठन करने कहा है। यह कमेटियां नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों के लिए प्रत्याशी चयन और अन्य निर्णय के लिए जिला स्तरीय समन्वय का काम करेंगी ।

छत्तीसगढ़ में हुए 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले में ईडी का बड़ा खुलासा

- कवासी लखमा को थी घोटाले की पुरी जानकारी

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में ईडी ने बड़ा खुलासा किया है। ईडी ने अपना बयान जारी कर रहा है कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी। लेकिन उन्होनें ने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया ।

लखमा ने शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके कारण छत्तीसगढ़ राज्य में एफ एल-10ए लाइसेंस की शुरुआत हुई। गौरतलब है पिछली सरकार में हुए लीकर स्कैम मामले में विधायक कवासी लखमा 21 जनवरी तक ईडी की रिमांड पर है। जहां प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे है।

सिंडिकेट का अहम हिस्सा थे कवासी

प्रवर्तन निदेशालय ने अपने प्रेस नोट में बताया है कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा सिंडिकेट का अहम हिस्सा थे । लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। शराब सिंडिकेट को मदद मिलती

थी। जिसके बदल में कवासी लखमा को शराब घोटाले से होने वाली कमाई से हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलता था। ईडी ने जांच में पाया कि कवासी लखमा घोटाले से मिलने वाली आय से कई अचल संपत्तियों के निर्माण में लगाया।

कमीशन रुपए बेटे के घर निर्माण और कांग्रेस भवन के निर्माण में लगे

शराब घोटाला केस में ईडी की हिरासत पर चल रहे पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा पर श्रेष्ठ का आरोप है कि शराब घोटाला मामले में हर महीने कवासी लखमा 2 करोड़ रुपए मिलते थे। श्रेष्ठ के वकील सौरभ पांडेय ने कहा कि, 3 साल शराब घोटाला चला इस दौरा 36 महीने में विधायक लखमा को 72 करोड़ रुपए मिले और ये राशि उनके बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगे।

एफएल-10 लाइसेंस क्या है ?

एफएल-10 का फुल फॉर्म है, फॉरेन लिकर-10। इस लाइसेंस को छत्तीसगढ़ में विदेशी शराब की खरीदी की लिए राज्य सरकार ने ही जारी किया था। जिन कंपनियों को ये लाइसेंस मिला है, वे मेनूफैक्चर्स यानी निर्माताओं से शराब लेकर सरकार को सप्लाई करते थे। इन्हें थर्ड पार्टी भी कह सकते हैं। खरीदी के अलावा भंडारण और ट्रांसपोर्टेशन का काम भी इसी लाइसेंस के तहत मिलता है। हालांकि इन कंपनियों ने भंडारण और ट्रांसपोर्टेशन का काम नहीं किया इसे बेवरेज कॉर्पोरेशन को ही दिया गया था। इस लाइसेंस में भी, और क्ष कैटेगरी के लाइसेंस धारक होते थे।

एफ एल-10 एः-इस कैटेगरी के लाइसेंस-धारक देश के किसी भी राज्य के निर्माताओं से इंडियन मेड विदेशी शराब लेकर विभाग को बेच सकते हैं।

एफ एल-10 बीः-राज्य के शराब निर्माताओं से विदेशी ब्रांड की शराब लेकर विभाग को बेच सकते हैं।

घोटाले की रकम 2161 करोड़

निदेशालय की ओर से लखमा के खिलाफ एक्शन को लेकर कहा गया कि, ईडी की जांच में पहले पता चला था कि अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और अन्य लोगों का शराब सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य में काम कर रहा था। इस घोटाले की रकम 2161 करोड़ रुपए है। जांच में पता चला है कि कवासी लखमा को शराब घोटाले से पीओसी से हर महीने कमीशन मिला है ।

बलौदाबाजार हिंसा मामले में निलंबित तत्कालीन कलेक्टर और एसएसपी बहाल

विभागीय जांच रिपोर्ट में मिली क्लीन चिट

बलौदाबाजार,21 जनवरी 2025 (ए)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में निलंबित तत्कालीन कलेक्टर और एसपी को बहाल कर दिया गया है। दरअसल, बलौदाबाजार हिंसा मामले पर सरकार ने एक्शन लेते हुए दोनों अधिकारियों को मंत्रालय और पुलिस मुख्यालय में अटैच कर दिया गया था, वहीं जांच कमेटी का भी गठन किया गया था। अब जांच रिपोर्ट में दोनों अधिकारियों को क्लीन चिट मिल गई है। सरकार ने कमेटी की रिपोर्ट के बाद दोनों अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी है।तत्कालीन कलेक्टर केएल चौहान को अब बिलासपुर में अपर संभागीय आयुक्त के साथ सचिव राजस्व मंडल के अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, साथ ही पुलिस अधीक्षक सदानंद सिंह को पुलिस मुख्यालय में उप पुलिस महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

कवासी लखमा को किया गया जेल में दाखिल

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। शराब घोटाला केस में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को मंगलवार को ईडी की रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया गया। लखमा को 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पीएससी स्कैम में जल्द होगी बड़ी गिरफ्तारी

पीएससी की परीक्षा कंट्रोलर समेत 2 की गिरफ्तारी की हरी झंडी

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के पीएससी स्कैम में सीबीआई जल्द ही दो बड़ी गिरफ्तारियां करेगी। सरकार ने पीएससी की परीक्षा नियंत्रक और उप परीक्षा नियंत्रक को गिरफ्तार करने की अनुमति दे दी है।

पीसीसी ने जिलों में प्रत्याशी चयन के लिए समिति गठित करने का दिया आदेश

23 तक दावेदारों की मांगी सूची

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। निकाय चुनाव के लिए टिकट पाने के लिए प्रयास कर रहे कांग्रेस के दावेदारों के लिए समन्वय समिति गठित करने का आदेश जारी किया गया है। पीसीसी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर 11 सदस्यीय समिति गठन करने को कहा है, जिसमें विधायक-सांसद से लेकर अलग-अलग पदाधिकारी शामिल होंगे।पीसीसी द्वारा सभी अध्यक्ष जिला/शहर कांग्रेस कमेटी को पत्र भेजकर आज ही समिति गठन करने कहा गया है। यह कमेटियां नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों के लिए प्रत्याशी चयन और अन्य निर्णय के लिए जिला स्तरीय समन्वय का काम करेंगी। ये समितियां आपसी समन्वय/सहमति बनाकर जीतने योग्य दावेदारों का प्राथमिकता क्रम में सूची 23 जनवरी तक सीलबंद लिफाफे में अनिवार्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जमा कराएंगी। इसी तरह नगरीय-निकाय चुनाव- 2025 के सफल संचालन के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया गया है।

रायपुर पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

सीएम और राज्यपाल ने किया स्वागत

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और और राज्यपाल रमन डेका ने रायपुर पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, माता कौशल्या की भूमि, भांचा राम के ननिहाल, छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। अपनी यात्रा के दौरान, उपराष्ट्रपति राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के विद्यार्थियों के साथ एक संवाद सत्र में भाग लेंगे। इस सत्र का विषय बेहतर भारत के निर्माण के लिए विचार होगा, जिसमें वे युवाओं को प्रेरित करेंगे और उनके विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

बिना अनुमति के अधिकारी-कर्मचारी नहीं ले सकेंगे अवकाश

रायपुर,21 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर के द्वारा 20 जनवरी 2025 को नगरीय निकाय, त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के लिये कार्यक्रम जारी किये जाने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है, जो निर्वाचन समाप्ति तक लागू रहेगी। नगरीय निकाय त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 की कार्यवाही सम्पन्न होते तक सभी शासकीय/अर्द्धशाकीय/ केन्द्रीय कार्यालयों एवं भारत सरकार के उपक्रमों के अधिकारियो एवं कर्मचारियों के सभी प्रकार के अवकाश को प्रतिबंधित किया जाता है। स्थानीय निर्वाचन के दौरान जिले में पदस्थ कोई भी अधिकारी-कर्मचारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रायपुर उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के अनुमति के बिना अवकाश पर प्रस्थान नही करेगें। कोई भी अधिकारी-कर्मचारी बिना अनुमति के अवकाश पर जाने अथवा मुख्यालय परित्याग करने पर संबंधित जिला प्रमुख/नियंत्रण अधिकारी जिम्मेदार होगें।

कार से एक करोड़ रुपए कैश बरामद

दुर्ग,21 जनवरी 2025(ए)। नगरी निकाय एवं पंचायत चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद, राजनांदगांव और दुर्ग जिले की सीमा पर एक बड़ी कार्रवाई हुई। अंजोरा चौकी क्षेत्र में पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कार की डिग्गी से 1 करोड़ रुपए कैश बरामद किए। कैश से संबंधित कोई दस्तावेज न मिलने पर पुलिस ने इसे जब्त कर लिया और जिला निर्वाचन आयोग दुर्ग को सौंप दिया। इसके साथ ही इनकम टैक्स विभाग को भी मामले की सूचना दे दी गई है।पुलिस के अनुसार, अंजोरा चौकी के पास वाहन चेकिंग चल रही थी, जहां राजनांदगांव से दुर्ग जिले में प्रवेश करने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही थी। रात करीब 8 बजे एक कार को रोका गया, और कार की डिग्गी की तलाशी लेने पर एक करोड़ रुपए कैश बरामद हुए। जब पुलिस ने व्यापारी से कैश से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वह दस्तावेज नहीं दिखा सका, जिसके बाद पुलिस ने उक्त राशि को जब्त कर लिया व्यापारी ने अपनी पहचान भिलाई तालपुरी निवासी चंद्रेश राठौर के रूप में बताई। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह स्वराज ट्रैक्टर का शोरूम संचालित करता है और उसी कैश को लेकर जा रहा था। पुलिस ने उसे सूचित किया कि 10 लाख रुपए से अधिक कैश लेकर चलना गैर कानूनी है, इस कारण पुलिस ने कैश को इनकम टैक्स विभाग के हवाले कर दिया है। इनकम टैक्स विभाग मामले की जांच कर रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)